

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,बुधवार 11 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-2 ■ वर्ष -42 ■ अंक-221 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 12 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

छग बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी करने वालों का बढ़ा भुगतान

रायपुर,11 नवंबर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 2026-27 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए सेंटर हेड, असिस्टेंट सेंटर हेड और दूसरे स्टाफ के भुगतान की नई दरें तय की हैं। अब जिस परीक्षा केंद्र पर 500 से ज्यादा छात्र होंगे, वहां के सेंटर हेड को रोज 200 रुपए मिलेंगे। 500 तक छात्रों वाले केंद्र के सेंटर हेड को 180 रुपए प्रतिदिन दिए जाएंगे। यह व्यवस्था हाईस्कूल, हायर सेकंडरी, शारीरिक शिक्षा पत्रोपाधि और डीएलएड की मेन और सेकंड मेन परीक्षाओं पर लागू होगी। फाइनेंस कमेटी की 6 अक्टूबर और एग्जीक्यूटिव कमेटी की 15 अक्टूबर 2026 की बैठक में भुगतान बढ़ाने का फैसला लिया गया था। नई दरें 2026-27 की परीक्षाओं से लागू होंगी।

सैनिक स्कूल में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

रायपुर, 11 नवंबर. शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए सैनिक स्कूल अंबिकापुर सहित देशभर के सैनिक स्कूलों एवं नवीन सैनिक स्कूलों में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE-2027) का आयोजन 31 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सैनिक स्कूल अंबिकापुर के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 नवंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन आवेदन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026, रात्रि 11.50 बजे तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं कर पाने वाले अभ्यर्थी विलंब शुल्क के साथ (500 रुपये अतिरिक्त राशि के साथ) 3 से 6 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 7 से 9 दिसंबर 2026 तक अवसर प्रदान किया जाएगा। अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र के शहर की जानकारी 11 जनवरी 2027 को जारी की जाएगी, जबकि प्रवेश पत्र 25 जनवरी 2027 से एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी तथा पेन-पेपर मोड में ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

पुलिस कस्टडी से फरार नशे का सौदागर पकड़ाया

रायपुर,11 नवंबर। राजधानी में ड्रग्स के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया. घटना से महकमे में हड़कंप मच गया. इसके बाद पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की. तीन घंटे के भीतर पुलिस ने उसे दोबारा पकड़ लिया. पूरा मामला मौहदापारा थाना क्षेत्र का है.

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को 10 नवंबर की शाम सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति अपने पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ रखा है और उसे बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है.

'भारत बनेगा ग्लोबल फूड बास्केट': चिराग

नई दिल्ली,11 नवंबर। किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए किसान तक की ओर से 'ग्लोबल भारत एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की थीम 'स्मार्ट किसान, विकसित भारत' है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने किया। इस मौके पर उन्होंने भारतीय कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, किसानों की आय बढ़ाने और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया। चिराग पासवान ने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए ऐसा मंच बेहद महत्वपूर्ण है, जहां देश के अलग-अलग हिस्सों से आए किसान, कृषि विशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग एक साथ बैठकर खेती-किसानी को आगे बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा कर सकें।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने कहा कि अगर खेतों के पास ही प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित हों और उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग व मार्केटिंग की व्यवस्था तैयार की जाए, तो भारतीय खाद्य उत्पादों को दुनिया के अलग-अलग बाजारों तक पहुंचाया जा सकता है। इससे किसानों की कमाई बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की रीढ़ हमारे अन्नदाता और



किसान हैं, देश की बड़ी आबादी होने के बावजूद भारत को वैश्विक खाद्य संकट जैसी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा है, तो इसका बड़ा श्रेय किसानों को जाता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब देश में अनाज की कमी हुआ करती थी, लेकिन किसानों ने दिन-रात मेहनत करके भारत को उस स्थिति से बाहर निकाला। आज देश न केवल अपनी खाद्य जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि दूसरे देशों की खाद्य सुरक्षा में भी योगदान दे सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कृषि क्षेत्र में अभी काफी काम करने की जरूरत है। भारत ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने और अनाज के भंडार भरने में बड़ी सफलता हासिल की है, लेकिन अब इससे आगे बढ़ने का समय है। जरूरत इस बात की है कि कृषि उत्पादन को केवल मात्रा तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसका मूल्य भी बढ़ाया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य हर क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रधानमंत्री ने अपने विजन में मैन्युफैक्चरिंग के साथ कृषि और खाद्य प्रसंस्करण को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया है। खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से ही भारतीय खाद्य पदार्थों और व्यंजनों को दुनिया के हर कोने तक पहुंचाया जा सकता है। चिराग पासवान ने कहा कि भारत ने कृषि उत्पादन बढ़ाने पर तो काफी ध्यान दिया, लेकिन लंबे समय तक फूड प्रोसेसिंग यानी खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उतना काम नहीं हो पाया, जितना होना चाहिए था।

दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर हो भारतीय खाद्य पदार्थ

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को दुनिया के लिए एक ग्लोबल फूड बास्केट के रूप में विकसित करना चाहते हैं। इसके लिए खाद्य प्रसंस्करण की व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है, उन्होंने कहा, "मेरा सपना है कि आने वाले दिनों में दुनिया की कोई भी ऐसी डाइनिंग टेबल न हो, जिस पर कम से कम एक भारतीय खाद्य पदार्थ मौजूद न हो। उन्होंने कहा कि भारतीय किसानों, देश की सोच और प्रतिभा में यह क्षमता है. जरूरत केवल इस व्यवस्था को विस्तार देने और अधिक से अधिक लोगों को खाद्य प्रसंस्करण से जोड़ने की है।



रायपुर, 10 नवंबर। प्रदेश भाजपा की प्रभारी स्मृति इरानी आज यहां पहुंचीं, और कुछ देर रूकने के बाद हैलीकॉप्टर से रायगढ़ रवाना हो गई। स्मृति इरानी 15 तारीख को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के धरमजयगढ़ दौरे की तैयारियों का जायजा लेने यहां आई है। स्मृति इरानी का पार्टी नेताओं ने स्वागत किया।इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष किरण देव,बृजमोहन अग्रवाल,केदार कश्यप,किरण बघेल, लता उसेंडी, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, और आकाश विग,शताब्दी पांडे उपस्थित थे।

विरासत में मिली संपत्ति से पिता बाहर रख सकता है अपने बेटे को

नई दिल्ली,11 नवंबर। दादा की संपत्ति पर पोते का दावा कितना जायज है, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ- साफ कहा कि पिता खुद को विरासत में मिली संपत्ति से अपने बेटे को बाहर रख सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में बताया कि कोई व्यक्ति अपने पिता की पैतृक या स्वयं अर्जित संपत्ति में अपने हिस्से का पूर्ण मालिक बन जाता है और वह उस पर पूरी तरह से अपना अधिकार जता सकता है। इसके बाद पोते से जुड़ी अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि यहां तक कि वो (पिता) अपने बेटों को भी इससे बाहर रख सकता है। 29 साल तक चली कानूनी लड़ाई को खत्म करते हुए, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने पिता की संपत्ति के बंटवारे के लिए बेटे की याचिका को खारिज कर दिया। बेटे ने 1997 में यह मुकदमा दायर किया था, जिसमें दावा किया गया था कि यह संपत्ति पैतृक या संयुक्त परिवार की संपत्ति है। कोर्ट ने बताया कि 'हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम' के तहत पोते को 'क्लास-1' उत्तराधिकारी नहीं माना जाता है। इसलिए वह अपने दादा की संपत्ति में हिस्से का दावा नहीं कर सकता। धारा आठ का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि एक बेटा अपने पिता से विरासत में मिली संपत्ति का पूर्ण मालिक बन जाता है, जबकि उसके अपने बेटे का उस संपत्ति पर जन्म से कोई अधिकार नहीं होता। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि 'क्लास I' के उत्तराधिकारी एक साथ संपत्ति के हकदार बनते हैं। हालांकि इनके रहते अन्य किसी को अधिकार नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि अनुसूची के 'क्लास I' में पोते (बेटे के बेटे) का उत्तराधिकारी के रूप में कोई जिक्र नहीं है। इस वजह से उसे अपने दादा की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं मिल सकता। कोर्ट ने बताया कि 1956 के कानून में, हिंदू पर्सनल लॉ के तहत पोते को अपने पिता के जीवित रहते हुए दादा की संपत्ति में हिस्सा मांगने का अधिकार नहीं दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि धारा 8 को एक स्वतंत्र प्रावधान के रूप में पढ़ा जाना चाहिए, जो बिना वसीयत के मरने वाले हिंदू पुरुष की संपत्ति के हस्तांतरण को नियंत्रित करता है।

सुको ने 29 साल पुराने केस में सुनाया बड़ा फैसला

8 कारों से लोड कंटेनर 30 फीट नीचे गिरा, चालक घायल

कोरबा,11 नवंबर। जिले में नेशनल हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मोरगा चौकी क्षेत्र के बड़े मदनपुर घाट पर 8 नई कारों से लोड एक भारी-भरकम कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 30 फीट नीचे जा गिरा। हादसे में कंटेनर वाहन समेत उसमें लोड सभी 8 नई कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं दुर्घटना में चालक को चोटें आई हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जानकारी के अनुसार, कंटेनर वाहन आंध्र प्रदेश से अंबिकापुर स्थित महामाया ऑटो सेंटर जा रहा था। इसी दौरान बड़े मदनपुर घाट के पास तेज रफ्तार के चलते चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कंटेनर सड़क से नीचे जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि कंटेनर के परखच्चे उड़ गए और उसमें लोड नई कारों को भी भारी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मोरगा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। मोरगा चौकी प्रभारी मंगतूराम मरकाम ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। घायल चालक को प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

सौरभ चंद्राकर की 12 को रायपुर कोर्ट में होगी पेशी

रायपुर, 11 नवंबर। 8 दिनों की हिरासत में पूछताछ पूरी होने के बाद महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को गुरुवार (12 नवंबर) को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई के अधिकारी उसे आज दिल्ली से रायपुर ला सकते हैं। इस पेशी में सबसे अहम बात यह होगी कि सीबीआई आगे की पूछताछ के लिए दोबारा रिमांड मांगती है या नहीं। अगर सीबीआई रिमांड नहीं मांगती है तो ईडी अपने वारंट को लागू कराने के लिए कोर्ट में आवेदन पेश कर सकती है। पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने सौरभ को वारंट पर गिरफ्तार करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उस समय ईडी के आवेदन को समय से पहले दाखिल बताया था। अब 12 नवंबर की पेशी में ईडी दोबारा आवेदन पेश करने की तैयारी में है। सौरभ चंद्राकर की पिछली पेशी के दौरान ईडी ने कोर्ट में आवेदन देकर अपने वारंट को लागू कराने और उससे पूछताछ की अनुमति मांगी थी। हालांकि, उस समय सीबीआई की रिमांड जारी थी। ऐसे में कोर्ट ने ईडी के आवेदन को समय से पहले बताते हुए खारिज कर दिया था। अब सीबीआई की 8 दिन की रिमांड पूरी होने के बाद ईडी के पास फिर से कोर्ट में आवेदन पेश करने का मौका होगा। अगर सीबीआई आगे की रिमांड नहीं मांगती



है तो ईडी अपने वारंट को लागू कराने के लिए आवेदन करेगी। इससे सौरभ से पूछताछ की प्रक्रिया में ईडी की भूमिका भी हो सकती है। सीबीआई ने सौरभ से महादेव एप के नेटवर्क, पैनल संचालकों, हवाला के जरिए हुए लेन-देन और कथित संरक्षण राशि को लेकर पूछताछ की है। जांच एजेंसी को यह पता लगाना है कि सट्टे से जुटाई गई रकम किन लोगों तक पहुंची और इस पूरे नेटवर्क में किन अधिकारियों और अन्य लोगों की भूमिका थी।

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में 30 मार्च 2022 को दुर्ग के मोहन नगर थाने में पहली प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसके बाद ईडी ने 6 अक्टूबर 2022 को धन शोधन के पहलू से जांच शुरू की। मामले में सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को मुख्य आरोपियों के तौर पर चिह्नित किया गया।सीबीआई ने 18 दिसंबर 2024 को इस मामले में प्रकरण दर्ज किया था। जांच में ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क, पैनल संचालकों, बैंक खातों और हवाला के जरिए रकम के लेन-देन की पड़ताल की जा रही है। बता दें कि महादेव सट्टा एप से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस मामले से जुड़ी 13 प्राथमिकी जांच के लिए सीबीआई को सौंपी थीं। इनमें से 2 मामलों में आरोपपत्र दाखिल हो चुके हैं। इसके अलावा ईडी भी धन शोधन के पहलू से जांच कर रही है और सौरभ के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल कर चुकी है।

कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता,11 नवंबर। असम में बुधवार सुबह एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया. गुवाहाटी के बाहरी इलाके में डिगारू के पास कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए. हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की खबर है. राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं आई. रेलवे के मुताबिक, ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं.

हादसा गुवाहाटी के बाहरी इलाके में डिगारू के पास हुआ. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ट्रेन नंबर 13125 कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस बुधवार सुबह करीब 6:54 बजे डिगारू रेलवे स्टेशन पहुंच रही थी. इस दौरान दूसरी ट्रेन को पहले रास्ता देने के लिए एक्सप्रेस को स्टेशन पर लिया जा रहा था. तभी ट्रेन की रफ्तार नियंत्रित नहीं हो पाई और इंजन समेत पांच डिब्बे पटरी से उतर गए. हादसे के तुरंत बाद राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया गया. रेलवे ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी ट्रेन का इंतजाम किया गया है.हादसे के बाद दो अन्य ट्रेनों को भी रास्ते में नियंत्रित किया गया. ट्रेन नंबर 12067 गुवाहाटी-जोरहाट टाउन जनशताब्दी एक्सप्रेस को पनबारी में रोका गया. वहीं, ट्रेन नंबर 15627 को यं ब टू र - सि ल च र एक्सप्रेस को पानीखैती में नियंत्रित किया गया. हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के महाप्रबंधक समेत दूसरे अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए. राहत और बचाव का काम जारी है. फिलहाल रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं आई है.



कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया फ्लाइट से हाईजैक का अलर्ट

कोलकाता,11 नवंबर। इस वक्त की बड़ी खबर कोलकाता से आई है। कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया फ्लाइट से हाईजैक का अलर्ट आया। फ्लाइट को टेकऑफ से पहले हाईजैक थ्रेट अलर्ट मिला। विमान में नोट मिलने के समय पांच क्रू मेंबर और 93 यात्री सवार थे। नोट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। इसके बाद विमान को आइसोलेशन बे में भेजा गया है। रक्षा एजेंसियों ने SOP के तहत जांच की। एयरपोर्ट की तरफ से अभी ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया गया है। दरअसल एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी का नोट टॉयलेट में मिला। इसमें लिखा था कि सुबह 11.10 बजे प्लेन को हाईजैक कर लिया जाएगा।पायलट ने तुरंत ATC को सूचना दी। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेजा गया। मैपुसा के पुलिस इंस्पेक्टर अनंत गांवकर ने बताया कि कोलकाता से मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट को आज सुबह टेकऑफ से कुछ समय पहले हाईजैक का अलर्ट मिला था। इसके बाद विमान को आइसोलेशन बे में शिफ्ट किया गया। सुरक्षा एजेंसियां तत्काल मौके पर पहुंचीं और SOP के तहत जांच शुरू की। फिलहाल स्थिति का आकलन किया जा रहा है और मामले में आगे की जानकारी का इंतजार है। 7 नवंबर को बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो फ्लाइट 6E-451 को शनिवार को हाईजैक की धमकी मिली।

टेकऑफ से पहले आइसोलेशन में भेजा गया

जम्मू-कश्मीर में 18 पर्यटकों से भरा टेंपो ट्रैवलर 60 फीट गहरी खाई में गिरा

श्रीनगर,11 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग से श्रीनगर लौट रहे 18 पर्यटकों से भरा एक टेंपो ट्रैवलर गांदरबल के कंगन में 60 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक सहित सभी लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि जिले के कंगन इलाके के गुंड में पर्यटकों को ले जा रहा एक टेंपो ट्रैवलर वाहन खाई में गिर गया. सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के SKIMS अस्पताल रेफर कर दिया गया.गहरी खाई में गिरने के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया. स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मी हादसे वाली जगह पर पहुंचे. घायलों को हादसे वाली जगह से निकालकर चिकित्सा सहायता के लिए भेजा गया. जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में मंगलवार रात पर्यटकों से भरी एक टेंपो ट्रैवलर हादसे का शिकार हो गई. सोनमर्ग से श्रीनगर जा रही गाड़ी कंगन इलाके में अनियंत्रित होकर करीब 60 फीट गहरी खाई में गिर गई. हादसे में चालक समेत 18 लोग घायल हो गए. इनमें आठ की हालत गंभीर है. जानकारी के मुताबिक, टेंपो ट्रैवलर पर्यटकों को लेकर सोनमर्ग से श्रीनगर की तरफ जा रही थी. इसी दौरान गांदरबल के कंगन इलाके में गुंड सुंबल पावर हाउस के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया. इसके बाद गाड़ी सड़क से फिसलकर करीब 60 फीट नीचे गहरी खाई में जा गिरी.हादसे में चालक समेत वाहन में सवार सभी 18 लोग घायल हो गए. इनमें 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है. घायलों में गुजरात, पश्चिम बंगाल और पंजाब के गुरदासपुर के पर्यटक शामिल हैं.

होटल कारोबारी दीपक टंडन के खिलाफ एक और एफआईआर ,पत्नी बरखा गिरफ्तार

रायपुर,11 नवंबर। होटल कारोबारी दीपक टंडन और उसकी पत्नी बरखा टंडन की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है. ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी मामले में रायपुर की तेलीबांधा पुलिस ने पूछताछ के बाद बरखा टंडन को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है. इधर सक्ती जिले में कोयला कारोबारी से ठगी मामले में दीपक टंडन के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज हुई है. दरअसल, दोनों आरोपियों के खिलाफ एकाएक धोखाधड़ी समेत कई अपराधिक मामले सामने आए हैं. रायपुर में कुल 3 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है. इसी संबंध में तेलीबांधा पुलिस बरखा टंडन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी. साक्ष्यों से पुष्टि के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. अब दीपक टंडन की पत्नी बरखा को कोर्ट में पेश किया जाएगा.



बिलासपुर और रायपुर के बाद अब सक्ति जिले में होटल कारोबारी दीपक टंडन के खिलाफ कोयला कारोबारी से ठगी का मामला सामने आया है. कोयला का बड़ा टेंडर दिलाने के नाम पर ठगी का आरोप है. कोतवाली थाना में कोयला कारोबारी किशन शर्मा ने शिकायत की है, जिसके आधार पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है. जानकारी के मुताबिक, अंबेडकर उर्फ दीपक टंडन ने कोयला कारोबार से जुड़े किशन शर्मा को कोयला का बड़ा टेंडर दिलाने का झांसा दिया. इसके एवज में 15 लाख रुपये लिए गए. लेकिन काफी समय बाद भी न टेंडर दिया गया और न ही पैसे वापस किए गए. सक्ति पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है.होटल कारोबारी दीपक टंडन उर्फ अम्बेडकर टंडन और उसकी पत्नी बरखा टंडन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. दोनों के खिलाफ राजधानी में ठगी का मामला सामने आया है.

गोवर्धन पूजा पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,11 नवंबर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा आज गोवर्धन पूजा के अवसर पर कबीरधाम जिले के कवर्धा नगर में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने सबसे पहले विंध्यवासिनी वार्ड क्रमांक 27 स्थित रेवाबांध तालाब पहुंचकर गौरा-गौरी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

इस दौरान उनका अलग अंदाज देखने को मिला और गौरा-गौरी बारात को देखकर वे खुद भी बारात में शामिल हुए और भक्ति गीतों को गाकर जयकारे लगाए। इसके बाद वे मठपारा पहुंचे, जहां उन्होंने गौरा-गौरी का पूजन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा स्थित अपने निवास में सपरिवार गोवर्धन पूजा की और गौ माता को प्रसाद खिलाया। इस अवसर पर निवास पर उनसे मिलने पहुंचे नागरिकों से उन्होंने आत्मीय



मुलाकात की और सभी को दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की बधाई तथा शुभकामनाएं दीं।इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कैलाशनगर और कमला क्लिनिक के पास दैहान में पहुंचे और वहां आयोजित गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कैलाश नगर में भी गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल होकर सभी के साथ पूरे भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की और गायों को भोजन कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने राउत नाचा शुरू किया तो कवर्धा विधायक श्री शर्मा स्वयं को नहीं रोक सके और सभी के साथ नाचा में शामिल होकर नाचते दिखाई दिए। सभी ने उनके साथ नाचा का आनंद लिया।

लोगों को डरा रहा युवक गिरफ्तार





■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई,11 नवंबर। भिलाई सुपेला टीआई एस एन सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचन राधिका नगर स्लाटर हाउस के पास एक व्यक्ति अपने हाथ में लोहे का धारदार हथियार लेकर आम लोगों को डरा-धमका रहा है सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा घेराबंदी कर हथियार लहराते हुए लोगों को डराने-धमकाने वाले व्यक्ति को पकड़ा पूछताछ में अपना नाम सलमान खान (38 साल) निवासी गौतम नगर, बुद्ध प्रतिमा के पास सुपेला बताया आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार हथियार बरामद किया गया। इसी दिन जी.ई. रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति लोहे का बड़ा धारदार हथियार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा था है पुलिस ने आरोपी को हथियार लहराते हुए पकड़ा गया पूछताछ में आरोपी की पहचान लक्की सिंह (22 साल) निवासी गौतम नगर सुपेला के रूप में हुई उसके कब्जे से लोहे का बड़ा धारदार हथियार बरामद किया गया है दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है

एक नजर

नशीली गोलियां बेच रहा युवक गिरफ्तार



भिलाई, 11 नवंबर (तछसं.)। दुर्ग शिवनाथ नदी के तट पर प्रतिबंधित नशीली गोलियों की अवैध बिक्री कर रहे एक युवक को पुलगांव पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 395 नशीली टेबलेट (कीमत 1,58,500 रुपए) और बिक्री - की नकद रकम 500 रुपए जब्त की गई है पुलगांव थाना प्रभारी गुरविंदर सिंह संधू ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक शिवनाथ नदी पचरी के पास नशीली दवाइयां खपाने की फिराक में ग्राहक तलाश रहा है सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को दबोचा। पूछताछ में उसने अपना नाम बजरंग चौक वार्ड -55 निवासी सोमेश्वर साहू बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से बड़ी मात्रा में अल्प्राजोलम टेबलेट मिलीं, जिनके भंडारण व बिक्री का वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत गैर-जमानती अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया ।

स्मृति नगर चौकी प्रभारी की पत्नी और प्रॉपर्टी डीलर महिला के बीच पैसों को लेकर मारपीट

भिलाई, 11 नवंबर (तछसं.)। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र के राधिका नगर स्थित आकृति हाइट्स में उधार की रकम को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद हो गया दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के मुताबिक, पहली शिकायत स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद की पत्नी मुस्कान ने दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि फ्लैट में नीचे रहने वाली प्रॉपर्टी डीलर गीतांजलि सिंह ने जुलाई में अपनी बहन की शादी के लिए उनसे रकम उधार ली थी पैसे लौटाने घर बुलाया गया था वहां गीतांजलि की मां सुनीता सिंह से बातचीत के दौरान रोशनी सिंह ने कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी और हाथ-मुक्कों व थप्पड़ों से मारपीट की। इससे उनके बाएं हाथ की कोहनी, दाहिने कान और गले में चोट आई वहीं, दूसरे पक्ष की गीतांजलि सिंह ने शिकायत में बताया कि उन्होंने मुस्कान से उधार ली रकम दिवाली पर लौटाने की बात कही थी। घटना के दिन वह बाहर गई थीं। इसी दौरान मुस्कान उनके घर पहुंचीं। आरोप है कि उनकी बहन रोशनी सिंह के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की गई ।

प्रेम प्रसंग के चलते मारपीट,3 गिरफ्तार



भिलाई, 11 नवंबर (तछसं.)। भिलाई स्मृति नगर इलाके में प्रेम प्रसंग के चलते रंजिश में मारपीट का मामला सामने आया है एक्स गर्लफ्रेंड को दूसरे युवक के साथ घूमते देख पूर्व प्रेमी ने अपने साथियों के साथ उसका पीछा किया जान बचाने के लिए युवक और युवती कार गैरेज में घुस गए आरोपियों ने वहां पहुंचकर युवक पर चाकू और डंडे से हमला कर दिया बीच-बचाव करने आए गैरेज संचालक और उसके भाई को भी पीटा हमले में तीन लोग घायल हुए हैं इन में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है इस मामले में स्मृति नगर चौकी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है वहीं 3 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि 9 नवंबर को प्रार्थी कृष्णा शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि रात्रि लगभग 12 बजे पुरानी रंजिश को लेकर नागेन्द्र सुमनकर अपने साथियों के साथ कार गैरेज में घुसकर गाली-गलौज एवं मारपीट करने लगा आरोपियों द्वारा धारदार हथियार से हमला किया इस में मनीष शर्मा, आनंद शर्मा एवं सारांश सिंह को चोटें आईं घटना के दौरान आरोपी एक मोबाइल फोन भी लूटकर ले गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए चौकी स्मृतिनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है शेष 03 संदिग्धों को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है घटना के दौरान लूटा गया मोबाइल फोन पुलिस द्वारा बरामद कर जब्त किया गया है प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 309 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की है ।

मुंबई पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा

भिलाई, 11 नवंबर । भिलाई दीपावली के दिन दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने के लिए मुंबई जुहू पुलिस भिलाई पहुंची भिलाई नगर थाने पुलिस के सहयोग से हुडको के एक युवक को पकड़कर अपने साथ ले गई पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को हुडको निवासी डिलेश्वर सुनील वैष्य पर दुष्कर्म का आरोप था दीपावली के दिन मुंबई की पुलिस पहुंची और हुडको से दुष्कर्म के आरोपी को ट्राजिड रिमांड पर अपने साथ मुंबई ले गई ।

नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में सात कर्मचारियों ने लहराया परचम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी तकनीकी दक्षता का शानदार प्रदर्शन करते हुए संयंत्र को गौरवान्वित किया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री द्वारा नई दिल्ली में आयोजित ×6वीं नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में बीएसपी के सात कर्मचारियों ने कुल सात पुरस्कार हासिल किए। इनमें तीन प्रथम, तीन द्वितीय और एक तृतीय पुरस्कार शामिल हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सभी विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार



प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी सहित संयंत्र के सभी कार्यपालक निदेशकगण ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। निदेशक प्रभारी ने कहा कि यह सफलता कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता, कठिन परिश्रम, समर्पण और निरंतर सीखने की भावना का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन कर्मचारियों की उपलब्धि संयंत्र के अन्य कार्मिकों को भी अपने कौशल को निखारने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। प्रतियोगिता की कारपेंट्री विधा में एमआरडी विभाग के राम साजन, इलेक्ट्रीशियन विधा में ब्लास्ट फर्नेस विभाग के अखिल कुमार राठौर तथा फिटर विधा में पीएनबीएस के राजेश कुमार नायक ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं, फिटर विधा में कोक ओवन विभाग के प्रभुचरण जेना, पीएलसी विधा में ए एंड डी विभाग के बी. वेंकट अप्पाराव तथा टर्नर विधा में बार एंड रॉड मिल के माझा हांसदा ने द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। पीएलसी विधा में ए एंड डी विभाग के कुंद्रापु गणेश ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर संयंत्र का मान बढ़ाया।

भेंट



कवर्धा। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि लोकचंद साहू ने सांसद संतोष पांडेय को गुलदस्ता भेंटकर दीपावली की बधाई दी ।

मुनिश्री संवेगरत्न सागरजी के मुखारविंद से श्रद्धालुओं ने सुना गौतम रास और भक्तामर पाठ

रायपुर। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागरजी म.सा. आदि ठाणा-5 की पावन निश्रा में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास के अंतर्गत दीपावली मिलन समारोह और भगवान महावीर स्वामी के निर्वाणोत्सव एवं गौतम स्वामी जी के कैवल्यज्ञान उत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया गया। कार्तिक बदी अमावस्या के पावन अवसर पर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण और गौतम स्वामी को सुबह कैवल्यज्ञान प्राप्त होने की पावन स्मृति में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए।

आयुक्त सुरुचि सिंह ने संजय नगर, बैकुंठ धाम और बटालियन ग्राउंड का किया निरीक्षण



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 नवंबर। आयुक्त सुरुचि सिंह ने संजय नगर ग्राउंड, बैकुंठ धाम एवं बटालियन ग्राउंड का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थलों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया और आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी सार्वजनिक स्थलों में साफ-सफाई, नियमित रखरखाव और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों को स्व'छ एवं व्यवस्थित बनाए रखना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण और निगरानी करें तथा जहां भी सुधार की आवश्यकता हो, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। आयुक्त ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, अरविन्द शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता आशीष भारती एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना उपस्थित रहे।

सुपेला चौक में बस स्टैंड और ऑटो स्टॉप बनाने की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 नवंबर। शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल सुपेला चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और यात्रियों की सुविधा के लिए व्यवस्थित बस स्टैंड एवं ऑटो स्टॉप बनाने की मांग उठी है। इस संबंध में जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक कन्हैया सोनी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा।

जिसमें बताया गया कि सुपेला चौक से बड़ी संख्या में यात्री रायपुर सहित अन्य स्थानों के लिए आवागमन करते हैं, लेकिन यहां बसों और ऑटो के रुकने के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं है। इसके चलते यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, बसों और ऑटो के बेतरतीब तरीके से खड़े होने के कारण आए दिन यातायात बाधित होता है और



जाम के साथ दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। समिति के संयोजक शारदा गुप्ता ने कहा कि सुपेला चौक में रायपुर की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए व्यवस्थित बस स्टैंड और ऑटो स्टॉप बनाया जाना आवश्यक है। इससे यात्रियों को निर्धारित स्थान पर वाहन मिल सकेंगे और सड़क पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग एवं रुकने की समस्या से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से आम नागरिकों को राहत मिलने के साथ ही चौक की यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। प्रतिनिधिमंडल द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सुबह संबंधित स्थल का निरीक्षण कराने तथा आगे की कार्ययोजना तैयार करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक कन्हैया सोनी, संयोजक शारदा गुप्ता, निशु पांडे, सुभाष शर्मा, सुनील मौर्य, विनोद उपाध्याय सहित समिति के अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

बिलासपुर, दुर्ग, गोंदिया से छपरा, पटना, बरौनी और निजामुद्दीन के लिए मिलेगी अतिरिक्त रेल सुविधा

भिलाई, 11 नवंबर। छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न गंतव्यों के बीच चार टीओडी (ट्रेन ऑन डिमांड) स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। इन विशेष ट्रेनों के चलने से त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त सीटें और बर्थ उपलब्ध हो सकेंगी तथा उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर-छपरा स्पेशल ट्रेन (08255) का परिचालन 14 एवं 21 नवंबर को किया जाएगा। यह ट्रेन बिलासपुर से छपरा के लिए रवाना होगी। इसी तरह दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन (08751) 15 नवंबर को दुर्ग से रवाना होगी। दुर्ग-बरौनी स्पेशल ट्रेन (08755) 11 एवं 18 नवंबर को तथा गोंदिया-पटना स्पेशल ट्रेन (08895) 1× एवं 20 नवंबर को संचालित की जाएगी। छठ पूजा के अवसर पर बिहार और उत्तर भारत की ओर जाने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेष ट्रेनों के संचालन से नियमित ट्रेनों पर यात्रियों का दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इन विशेष ट्रेनों के परिचालन समय, मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों पर ठहराव और सीटों की उपलब्धता की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस तथा रेलवन ऐप से प्राप्त करें।

आपसी रंजिश के चलते युवक की हत्या



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 11 नवंबर । दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र में पटवा धर्मशाला राजीव नगर वार्ड-2 में पुरानी रंजिश के चलते मोहल्ले के ही चंदू उर्फ चंदन प्रसाद देवांगन की हत्या हो गई आरोपियों ने ईंट, बैट, चाकू से मृतक पर ताबड़तोड़ वार किए बुरी तरह घायल चंदू को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया मामले में पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसे दो नाबालिग हैं सिटी कोतवाली टीआई नवीन राजपूत ने बताया कि मरने वाला का आपराधिक रिकॉर्ड है उसके खिलाफ चाकूबाजी, मारपीट, छीनाझपटी के मामले दर्ज हैं मृतक के खिलाफ सात धाराओं के तहत पहले से अपराध दर्ज है पकड़े गए आरोपियों में पंकज पिता केदार ठाकुर (28 साल), निखिल पिता संदीप ठाकुर उम्र (20 साल) खूबलाल उर्फ छोटी पिता केदार ठाकुर (22 साल) संगीता पति संदीप ठाकुर (35 साल) पुष्पा पति लल्ला ठाकुर उम्र 30 वर्ष, योगिता पिता संदीप ठाकुर (18 साल) संदीप पिता मालिक राम ठाकुर (42 साल) सत्या पिता स्वर साहू (18 साल) और दो नाबालिग शामिल हैं? आरोपियों के खिलाफ भी पहले से अपराध दर्ज है पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब साढ़े 11 बजे की है आरोपियों के साथ मृतक चंदू का विवाद पहले गाली गलौच से शुरू इसके बाद आरोपी पक्ष के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे उन्हें देख मृतक चंदू छत पर चढ़ गया आरोपी वहां से ईंट फेंकने लगा इसके बाद आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर सीढ़ियों के रास्ते छत पर पहुंचकर चंदू को पकड़ लिया वहीं उससे मारपीट शुरू कर दी पहले ईंट से मारकर उसे घायल किया गया इसके बाद नीचे उतारकर बैट, चाकू और अन्य सामानों दो नाबालिग सहित दस गिरफ्तार से बेदम मारपीट की गई। अधमरा छोड़कर आरोपी वहां से चले गए। इसके बाद मृतक के छोटे भाई ने साथियों के साथ मिलकर मृतक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रार्थी समारू राम देवांगन ने थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरुद्ध धारा 103 (1), 61(2), 191(1), 191(2), 331 (8) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठी एवं नवमी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

दुर्ग, 11 नवंबर । शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए सैनिक स्कूल अंबिकापुर सहित देशभर के सैनिक स्कूलों एवं नवीन सैनिक स्कूलों में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE-2027) का आयोजन 31 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सैनिक स्कूल अंबिकापुर के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 नवंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन आवेदन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026, रात्रि 11.50 बजे तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं कर पाने वाले अभ्यर्थी विलंब शुल्क के साथ (500 रुपये अतिरिक्त राशि के साथ) 3 से 6 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे।

कचना स्थित श्री मुनि सुब्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भक्तिमय वातावरण में मनाया गया निर्वाण महोत्सव





रायपुर, 11 नवंबर। कार्तिक अमावस्या के पावन अवसर पर कचना स्थित अमलतास कैसल परिसर के श्री मुनि सुब्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर एवं वर्तमान शासन नायक भगवान 1008 श्री महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल भगवान की प्रतिमा को पांडुक शिला पर विराजमान कर विधि-विधानपूर्वक प्रासुक जल से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पूजा-अर्चना कर भगवान महावीर के चरणों में निर्वाण लड्डू अर्पित किया।

मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक जैन समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं पवित्र पर्व है। इस अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक के महत्व पर विशेष उद्बोधन देते हुए भाई सुरेश मोदी ने बताया कि भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर एवं वर्तमान शासन नायक हैं। उनका निर्वाण दिवस उनके जीवन के पांच प्रमुख कल्याणकों में से एक है। भगवान महावीर ने कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को 72 वर्ष की आयु में बिहार के पावापुरी में निर्वाण अर्थात मोक्ष प्राप्त किया था। इसी पावन स्मृति में दीपावली के दिन जैन समाज द्वारा निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है तथा भगवान को मोक्ष लड्डू अर्पित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसी दिन संध्याकाल में भगवान महावीर के प्रमुख शिष्य गौतम गणधर स्वामी को केवलज्ञान (सर्वज्ञता) की प्राप्ति हुई थी। इस प्रकार दीपावली का पर्व जैन धर्म में भगवान महावीर के निर्वाण एवं गौतम गणधर स्वामी के केवलज्ञान प्राप्ति के कारण विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। भाई सुरेश मोदी ने आगे कहा कि भगवान महावीर ने संपूर्ण मानव समाज को अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह जैसे पांच महाव्रतों का संदेश दिया। उनका जीवन त्याग, तपस्या, करुणा, संयम और आत्मकल्याण का अनुपम उदाहरण है। उनके बताए सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, सद्भाव, प्रेम और नैतिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। मंदिर परिसर में पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जयकारों के साथ उनके बताए सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

कैट का दीपावली मिलन समारोह भव्यता के साथ संपन्न, व्यापारी एकता का दिखा उत्साह

रायपुर, 11 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में प्रदेशभर के व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों, व्यापारियों, उद्योगपतियों, जनप्रतिनिधियों तथा महिला एवं युवा उद्यमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी सहित



प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अमर पारवानी ने कहा कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कैट द्वारा चलाए गए 'वोकल फॉर लोकल' और 'आया त्योहार, चलो बाजार' अभियान से लोगों को स्थानीय बाजारों से खरीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने कहा कि दीपावली मिलन समारोह व्यापारियों के बीच आपसी विश्वास, एकता और सहयोग बढ़ाने का अवसर है। समारोह में व्यापारियों ने शुभकामनाओं और मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। साथ ही व्यापारिक समस्याओं के समाधान, स्वदेशी व्यापार और व्यवसाय के आधुनिकीकरण पर चर्चा हुई। समारोह में प्रदेश के विभिन्न व्यापारिक संगठनों की भागीदारी ने व्यापारी एकता और संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया।

निर्वाण व कैवल्य कल्याणक लड्डू चढ़ाया गया व सामूहिक गौतम रास का वाचन

रायपुर,11 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़)। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में दीपावली पर्व , भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण व प्रथम गणधर श्री गौतम स्वामी जी के कैवल्य कल्याणक पश्चात प्रातः 5 . 30 बजे श्री जसराज मदना देवी बरड़िया के आत्मश्रेयार्थ तिलोकचंद शांतिलाल अशोक बरड़िया ए टी परिवार ने मंदिर व चमत्कारी जैन दादाबाड़ी के मंगल पट्ट खोलकर सैकड़ों श्रद्धालुओं को दर्शन कराए । इस अवसर पर तिलोकचंद



मंजुलता , निकेश अंकिता बरड़िया विशेष रूप से उपस्थित थे । इसके पश्चात महावीर स्वामी , श्री सीमंधर स्वामी , गौतम स्वामी व दादागुरुदेव को लड्डू चढ़ाया गया । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद , महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि सकल श्रीसंघ द्वारा चैत्यवंदन की क्रिया की गई । निर्वाण व कैवल्य कल्याणक का लड्डू चढ़ाया गया । शुभ आशीर्वाद प्रदाता प्रतिष्ठाचार्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म सा के आशीर्वाद से सकल श्रीसंघ ने गौतम रास का सामुहिक पाठ किया । निर्वाण एवं कैवल्य कल्याणक लड्डू चढ़ाने के लाभार्थी शासननायक श्री महावीर स्वामी जी श्री पदमचंद कमल अनिल गोलछा परिवार मूलनायक श्री सीमंधर स्वामी का मूलचंद जी अंची देवी संतोष सरला बैद परिवार गौतम स्वामी जी का जीवनलाल जी डॉ योगेश नयन खुशी बंगानी परिवार दादागुरुदेव लड्डू चढ़ाने के लाभार्थी इन्दर चंद जय विजय सांखला , देवी पद्मावती माता को राजेश करुणा कुशल शुभ्रा सिंघी परिवार ने लड्डू चढ़ाया । चैत्यवंदन के बाद श्री सीमंधर स्वामी व दादा गुरुदेव की आरती व मंगलदीपक किया गया । आरती के लाभार्थी परमात्मा की आरती व मंगल दीपक तिलोकचंद शांति अशोक बरड़िया , दादा गुरुदेव की आरती , मंगल दीपक संदीप जी बैद परिवार ने सामुहिक आरती सम्पन्न की.

विजय शर्मा ने सपरिवार मनाया गोवर्धन पूजा का पर्व, गौ माता को खिलाया प्रसाद

रायपुर, 11 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था और गौ सेवा की परंपरा अनुरूप उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के कवर्धा स्थित अपने निवास में सपरिवार गोवर्धन पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने गौ माता की विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर उन्हें प्रसाद खिलाया तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता से प्रार्थना करते हुए यह कामना की है कि प्रदेश के अन्नदाताओं के खेत-खलिहान सदैव धन-धान्य से परिपूर्ण रहें, गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन हो तथा प्रत्येक परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे।

विष्णु देव साय ने मिथिलेश अग्रवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का किया शिलान्यास, युवाओं के विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलने का मिलेगा अवसर

हमारे युवा रोजगार मांगने वाले ही नहीं, रोजगार देने वाले भी बनें



विद्यार्थियों के नवाचारों में दिखी भविष्य के छत्तीसगढ़ की झलक

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के दौरान एनआईटी रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा विकसित विभिन्न स्टार्टअप और तकनीकी मॉडलों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके नवाचारों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कचरा प्रबंधन, दवाइयों की होम डिलीवरी, औद्योगिक उपकरणों एवं धातुओं में खराबी की पहचान और हेलमेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे अभिनव तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब वह आम लोगों के जीवन को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाए। हमारे युवा समाज की समस्याओं को समझकर उनके समाधान खोज रहे हैं, यह अत्यंत उत्साहजनक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने नवाचारों को केवल शैक्षणिक परियोजनाओं तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें सफल स्टार्टअप और उद्यमों में बदलें। राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

रायपुर, 11 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में तकनीकी शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को नई ऊंचाई देने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) परिसर में 88 करोड़ 76 लाख रुपए की लागत से बनने वाले श्रीमती मिथिलेश अग्रवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की आधारशिला रखी। अत्याधुनिक तकनीकों, अनुसंधान सुविधाओं और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन से सुसज्जित यह केंद्र प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को अपने अभिनव विचारों को सफल उद्यमों में बदलने का अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में प्रतिभा और सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें सही अवसर, आधुनिक संसाधन और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की है। हमारी सरकार ऐसा वातावरण विकसित कर रही है, जहां युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए महानगरों की ओर न जाना पड़े, बल्कि वे छत्तीसगढ़ में ही नए आविष्कार करें, उद्योग स्थापित करें और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति, तकनीक और नवाचार की निर्णायक भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की आधारशिला रखी गई है, वह केवल एक अत्याधुनिक भवन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और संभावनाओं को साकार करने का केंद्र बनेगा। यहां विद्यार्थियों को अपने विचारों पर अनुसंधान करने, तकनीकी समाधान विकसित करने, प्रोटोटाइप तैयार करने और उन्हें व्यावसायिक स्वरूप देने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को मजबूती मिलेगी और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप नई तकनीकों का विकास भी संभव होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र और प्रख्यात उद्यमी श्री रामदेव अग्रवाल का विशेष अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि श्री रामदेव अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की धरती से निकलकर अपनी प्रतिभा, परिश्रम और दूरदर्शिता के बल पर देश के उद्योग एवं वित्तीय जगत में विशिष्ट पहचान बनाई है। आज वे अपनी सफलता का लाभ समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी माता श्रीमती मिथिलेश अग्रवाल की स्मृति में इस संस्थान की स्थापना का संकल्प लेकर उन्होंने मातृभक्ति, कृतज्ञता और समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमारी भारतीय परंपरा में विद्यादान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है, क्योंकि शिक्षा व्यक्ति को जीवनभर आत्मनिर्भर बनने की शक्ति देती है। छत्तीसगढ़ में दाऊ कल्याण सिंह और सेठ किरोड़ीमल जैसे दानवीरों ने समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्री रामदेव अग्रवाल का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। उल्लेखनीय है कि लगभग 88.76 करोड़ रुपए की इस परियोजना में मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा 71 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया जा रहा है।

सेमीकंडक्टर, एआई और डेटा सेंटर के साथ भविष्य की अर्थव्यवस्था में बढ़ रही छत्तीसगढ़ की भागीदारी-मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब खनिज संपदा और पारंपरिक उद्योगों के साथ उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान बना रहा है। प्रदेश में सेमीकंडक्टर इकाइयों की स्थापना की दिशा में कार्य हो रहा है और एआई डेटा सेंटर पार्क विकसित किया जा रहा है। नवा रायपुर में आधुनिक अधोसंरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेश के अनुकूल वातावरण के माध्यम से भविष्य के उद्योगों के लिए मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनआईटी रायपुर, आईआईटी भिलाई, आईआईएम रायपुर और आईआईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान प्रदेश की बड़ी ताकत हैं। इन संस्थानों की शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षमता को उद्योगों और उद्यमिता से जोड़कर छत्तीसगढ़ में विकास की नई संभावनाएं सृजित की जा सकती हैं।

स्टार्टअप और एआई मिशन से युवाओं को मिलेगी नई उड़ान-मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसके माध्यम से युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, पूंजी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र और नई प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाएं स्थापित करने की पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार के पांच मुख्यमंत्री मिशनों में शामिल मुख्यमंत्री एआई मिशन के अंतर्गत भी 500 करोड़ रुपए के निवेश का निर्णय लिया गया है। इसके माध्यम से 100 एआई डेटा लैब और पांच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के अवसर केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहने चाहिए।

रोजगार मांगने वाले ही नहीं, रोजगार देने वाले बनें युवा-मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उनके सामने श्री रामदेव अग्रवाल जैसे सफल उद्यमी का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से सफलता प्राप्त की तथा अब समाज और मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

आरटीई के तहत स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया होगी सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित

रायपुर, 11नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़)।. छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों की प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। विभाग द्वारा 10 नवंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार आरटीई के अंतर्गत प्रवेश में पड़ोस की निर्धारित सीमा को अनिवार्य पात्रता की शर्त के बजाय प्राथमिकता का आधार बनाया जाएगा। इससे पात्र बच्चों को प्रवेश के अधिक अवसर मिल सकेंगे। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(ग) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा धारा 12(2) के अंतर्गत विद्यालयों को प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया के सरलीकरण एवं सुव्यवस्थीकरण पर जोर दिया गया है।

पड़ोस की सीमा अब प्रवेश में प्राथमिकता का आधार-नए निर्देशों के अनुसार आरटीई के तहत प्रवेश के लिए निर्धारित पड़ोस की सीमा को अनिवार्य पात्रता शर्त के स्थान पर प्राथमिकता का आधार बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य पात्र बच्चों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाना है।

निर्धारित दूरी के बच्चों को मिलेगी प्रथम प्राथमिकता-स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार निर्धारित दूरी के भीतर निवास करने वाले पात्र बच्चों को प्रवेश में प्रथम प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अंतर्गत कक्षा पहली से पांचवीं के लिए शून्य से एक किलोमीटर तथा कक्षा छठवीं से आठवीं के लिए शून्य से तीन किलोमीटर की भीतर निवास करने वाले पात्र बच्चों को प्रवेश में प्रथम प्राथमिकता दी जाएगी।

रिक्त सीटों पर लॉटरी से होगा प्रवेश-विभागीय निर्देशों के अनुसार निर्धारित दूरी के भीतर पर्याप्त आवेदन प्राप्त नहीं होने और आरक्षित 25 प्रतिशत सीटें रिक्त रह जाने की स्थिति में इन सीटों को बाहर के पात्र बच्चों को प्रवेश देकर भरा जा सकेगा। ऐसे प्रवेश के लिए सक्षम प्राधिकारी से प्रत्येक प्रकरण में अलग-अलग स्वीकृति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी।

त्योहार की खुशियां मातम में बदली

धमतरी। दीपावली की खुशियां मनाने के बीच एक परिवार में त्योहार का माहौल मातम में बदल गया। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के रिसाई पारा वार्ड में झालर लाइट लगाते समय करंट की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। करंट का झटका लगते ही युवक दो मंजिला मकान से नीचे गिर पड़ा। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।



जानकारी के अनुसार, रिसाई पारा वार्ड निवासी दाऊ लाल ध्रुव पोस्ट ऑफिस वार्ड में स्थित एक दो मंजिला इमारत पर झालर लाइट लगाने गया था। इसी दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आ गया। करंट लगते ही उसने संतुलन खो दिया और सीधे दो मंजिला मकान से नीचे गिर गया। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन और आसपास के लोग तत्काल युवक को उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दीपावली पर मुस्लिम समाज ने दरगाह में जलाए चिराग

रायपुर, 11 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़)। दीपावली के पावन पर्व पर मुस्लिम समाज ने डॉ सलीम राज के नेतृत्व में साम्प्रदायिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता की एक अनूठी मिसाल पेश की है। समाज के लोगों ने दरगाह हजरत सैयद बाबा र.अ. पुराना मंत्रालय के बाजू में सामूहिक रूप से चिराग (दीपक) रोशन कर देश में अमन, चैन और आपसी भाईचारा कायम रखने की दुआ मांगी। रोशनी के इस त्योहार को सभी वर्गों ने मिलकर मनाया, जो भारत की 'अनेकता में एकता' की संस्कृति को दर्शाता है। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन दीपावली के शुभ अवसर पर किया गया, जिसमें भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों और मुस्लिम समुदाय के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। दरगाह परिसर को चरागों की रोशनी से जगमगाया गया, जो इस बात का संदेश देता है कि त्योहार किसी एक मजहब के नहीं, बल्कि पूरे समाज को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम होते हैं।



'विकसित भारत 2047' का संकल्प-कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सन् 2047 तक भारत को एक सशक्त, समृद्ध और 'विकसित भारत' बनाने की कल्पना और संकल्प को साझा किया। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि देश तभी प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है, जब सभी नागरिक आपसी भेदभाव भुलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा, "दीपावली का यह पर्व हमारे दिलों से नफरत के अंधेरे को दूर कर मोहब्बत का उजाला फैलाने का संदेश देता है। हजरत सैयद बाबा र.अ. की दरगाह पर चिराग जलाकर हमने यही मन्नत मांगी है कि हमारा देश हर क्षेत्र में तरक्की करे, भाईचारा मजबूत हो, देश में सामाजिक समरसता बने रहे और हम सब मिलकर सन् 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार कर सकें।"यह कार्यक्रम क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग इसे गंगा-जमुनी तहजीब का एक बेहतरीन उदाहरण मान रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज, मदरसा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष युनुस कुरैशी, मोनिस रज़ा पटवा, वकील भारती, फिरोज मेमन, मज़ाहिर हुसैन, रेहाना खान, मिर्ज़ा मकबूल बेग, जमील कुरैशी के साथ मुस्लिम समाज के गणमान्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बच्चों की मुस्कान के बीच मना मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जन्मदिन, आंगनबाड़ी में साझा किया न्योता भोज

रायपुर ,11 नवंबर.जन्मदिन की खुशियां अपनों के बीच मनाई जाती हैं, लेकिन जब इन खुशियों में बच्चों की मुस्कान जुड़ जाए तो वह दिन और भी खास बन जाता है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन सूरजपुर जिला के ग्राम लटोरी के नवापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ मनाया। न्योता भोज के इस आत्मीय आयोजन में उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ पंगत में बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी मौजूद रहे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते ही बच्चों ने एक स्वर में ''हैप्पी बर्थडे टू यू'' गाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। बच्चों के इस स्नेहपूर्ण स्वागत से आयोजन में अपनत्व और उल्लास घुल गया। मंत्री ने बच्चों



के बीच बैठकर उनसे बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें अपनी बातें साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने पूरे उत्साह से अपना परिचय दिया। बातचीत के दौरान बच्चों



ने ''मछली जल की रानी है'', ''आलू कचालू'' और ''तितली रानी'' जैसी बाल कविताएं सुनाईं। नन्हे बच्चों की प्यारी प्रस्तुतियों पर मंत्री ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। जब उन्होंने पूछा कि आंगनबाड़ी में रोज कौन-कौन आता है, तो बच्चों ने मुस्कुराते हुए हाथ उठाकर जवाब दिया। उनकी सहजता और आत्मविश्वास ने वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों के साथ संवाद में मंत्री ने स्वच्छता की अच्छी आदतों पर भी बात की।

बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन-न्योता भोज में बच्चों के लिए चावल, दाल, खीर, पूड़ी, छोला और मुनगा भाजी सहित कई व्यंजन परोसे गए। भोजन से पहले बच्चों ने सामूहिक रूप से भोजन मंत्र का पाठ किया। इसके बाद मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वयं बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया। बच्चों के बीच बैठकर भोजन साझा करने का यह सहज दृश्य आयोजन की सबसे आत्मीय झलक बना।

नेता लोकतांत्रिक है या नहीं बातों से पता चलता है

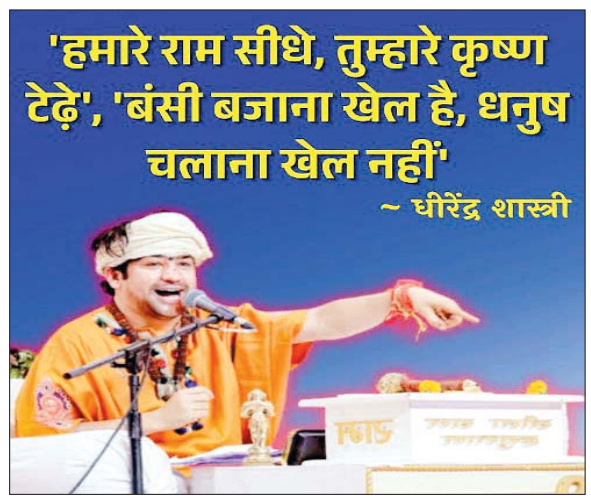
किसी आदमी या राजनीतिक दल के नेता के बारे में उसके आचार विचार से सब कुछ भले पता न चले लेकिन बहुत कुछ पता चलता है,यह तो पता निश्चित रूप से लग जाता है कि वह लोकतांत्रिक है या नहीं है,लोकतांत्रिक मूल्यों पर उसका यकीन है या नहीं है।उसके आचार विचार लोकतांत्रिक हैं या नहीं है।संसद व संविधान में उसका यकीन है या नहीं है।कांग्रेस भले ही खुद को देश को आजाद कराने वाली पार्टी रही है, उसके लिए वह पुराने लोगों के साथ खुद पर गर्व भी करती रही हो लेकिन 2014 के बाद उसके आचार विचार तो ऐसे नहीं रह गए हैं कि जिससे यह लगे कि यह वही कांग्रेस ही जिस पर कांग्रेस के साथ ही देश के लोग भी गर्व करते थे। उनके महान नेताओं का नाम सम्मान से लेते थे। सोनिया गांधी के नेतृत्व तक कांग्रेस को कहा जा सकता था कि उसका आचार विचार से कांग्रेस व उसके नेता पूरे न सही कुछ तो लोकतांत्रिक हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों में उनका यकीन है। संसद व संविधान के प्रति उनका यकीन बना हुआ है लेकिन 2014 के बाद जब से कांग्रेस का नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं, कांग्रेस का आचरण दिनोंदिन अलोकतांत्रिक होता गया है,संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उनका विश्वास कम होता गया है।सोनिया गांधी के वक्त तक कांग्रेस जनादेश का सम्मान तो करती थी आज राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस जनादेश का सम्मान करना भूल गई है।उसका विश्वास संसद के प्रति कम हो गया है, वह अब कोई भी फैसला संसद से नहीं करना चाहती है,वह कोई भी फैसला सुप्रीम कोर्ट से नहीं चाहती है, वह अब सारे फैसले सड़क पर करना चाहती है। लोकतंत्र में जब किसी राजनीतिक दल व नेता का विश्वास संसद व अदालत,संविधान,लोकतंत्र पर कम हो जाए तो कोई भी यह नही मान सकता कि यह राजनीतिक दल व नेता लोकतंत्र में राजनीति में करने लायक है। लोकतंत्र में तो सारे फैसले जनता की अदालत में होते हैं, जनता के फैसले के बाद कोई भी फैसला संसद व विधानसभा में होता है ,इसके बाद किसी बात का अंतिम फैसला अदालत में होता है। जिसका विश्वास तीनों संस्थाओं पर कम हो गया है और सड़क पर फैसला करने ज्यादा हो गया हो तो उस नेता के लोकतांत्रिक होने पर सवालिया निशान तो अपने आप लग जाता है।राहुल गांधी कांग्रेस के नेता हैं लेकिन उनका आचरण ऐसा हो गया है कि लगता नहीं कांग्रेस के नेता हैं,कांग्रेस के नेता तो देश के नेता हुआ करते थे, ऐसा होता था तो उनके राष्ट्रवादी आचरण के कारण होता था। राहुल गांधी का आचरण राष्ट्रवादी नही रह गया है, क्योंकि राष्ट्रवादी नेता का यकीन तो जनादेश,चुनाव परिणाम,संसद,अदालत पर रहता है, वह कोई भी फैसला संसद के बाहर नहीं चाहता है,कोई भी देश का विषय हो उस पर संसद में बहस चाहता है। वह सारे सवाल संसद के भीतर पूछता है। सारे फैसले संसद के भीतर चाहता है। सबसे पहले तो राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने सबसे बड़ी गलती यह की है कि उसने जनादेश का सम्मान करना छोड़ दिया है,क्योंकि जनादेश कांग्रेस के साथ ही राहुल गांधी के नेतृत्व के खिलाफ आते गए हैं, हर चुनाव में ्रउनका नेता असफल होता है तो वह अपने नेता को असफल मानने की जगह चुनाव आयोग को बेहतर चुनाव नहीं कराने के लिए दोषी बताते हैं। चुनाव वाकई में पक्षपात कर रहा होता तो 2014 के बाद चुनाव कांग्रेस सहित विपक्षी दल एक राज्य में नहीं जीते होते। कांग्रेस सहित विपक्षी दल कई राज्यों में 2014 के बाद चुनाव जीते है,इससे साबित होता है कि चुनाव आयोग तो ठीक चुनाव करा रहा है, राजनीतिक दल कहीं चुनाव हार रहे हैं तो अपने नेता के कारण चुनाव हार रहे हैं, पार्टी में परिवारवाद हावी होने के कारण चुनाव हार रहे हैं। चुनाव में गड़बड़ी के लिए चुनाव आयुक्त को हटाना है तो लोकतंत्र में उसकी प्रक्रिया है, संसद के जरिए ही उनका हटाया जा सकता है लेकिन कांग्रेस उनको सड़क के जरिए हटाने के लिए जो कुछ किया है, उसे लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए मार्च करना तो लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता।पीएम आवास के सामने धरना प्रदर्शन तो लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता। त्यौहार के समय जानते हुए व्यापारियों को नुकसान होगा रैली का आयोजन लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता। संसद के रहते हुए संसद के बाहर जन महाभियोग का आयोजन करना लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता। संसद के रहते हुए सड़क पर बहस की चुनौती को लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता।केरल कांग्रेस के सोशल मीडिया से सीजेआई का अपमान करना लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता।मोदी का क्या मोदी का बाप भी जाएगा कांग्रेस अध्यक्ष का कहना लोकतांत्रिक आचरण तो नहीं कहा जा सकता।राहुल गांधी व कांग्रेस के आचरण को देखते हुए जनता यदि कहती है कि मोदी कहीं नहीं जाएगा तो कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन करने का समय है, अपनी कमजोरी का पता आत्ममंथन से ही चलेगा।

राजनीति

क्या ऐसे होंगे हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार ?

निर्मल रानी

इन दिनों सत्ता,गोदी मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा सुनियोजित तरीक़े से प्रचारित कर जनता पर थोपे गये बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने विवादित बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं।परन्तु इसबार उनके मुंह से जिस तरीक़े से भगवान श्री कृष्ण को लेकर अपमानजनक बातें की गयीं और उनका मज़ाक़ उड़ाया गया और जिन शब्दों व जिस अंदाज़ में पेश किया गया वह उनके क्षमा मांगने के बावजूद अक्षम्य है। ग़ौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी ज़िले में एक कथा के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप व मुद्रा की तुलना करते हुये कहा कि ' 'हमारे वाले' श्रीराम बिल्कुल सीधे खड़े होते हैं, जबकि 'तुम्हारे वाले' श्रीकृष्ण की मुद्रा और चाल 'टेढ़ी' होती है। उन्होंने कृष्ण के बांसुरी बजाने को बच्चों का खेल और धनुष-बाण चलाने को बड़ी बात बताया। उन्होंने 'हमारे वाले राम' और 'उनके वाले कृष्ण' जैसी शब्दावली का प्रयोग कर सनातन धर्म में जातिवाद की लकीर खींचने का भी दुष्प्रयास किया। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर देशभर के संतों,नेताओं, कृष्ण भक्तों और यादव समाज ने कड़ी आपत्ति जताई। तभी मौक़े की नज़ाकत को भांप कर इस 'लंपट' ने क्षमा मांगने में ही अपनी भलाई समझी। उसके आलोचकों का आरोप है कि ऐसे बयान से भगवान कृष्ण का उपहास उड़ाया गया है। इस मामले में आगरा की सिविल कोर्ट में उसके ख़िलाफ़ एक आपराधिक मानहानि की शिकायत भी दर्ज कराई गई। इसी विवाद के बीच पिछले दिनों रायपुर में आयोजित एक कथा के दौरान शास्त्री ने सनातनियों से एकजुट होने की अपील करते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे 'तुम मुझे ख़ून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा ' की तर्ज़ पर एक नया नारा दिया है। धीरेंद्र शास्त्री का नारा है- "तुम मेरा साथ दो, मैं हिंदू राष्ट्र बनाऊंगा।" परन्तु सवाल यह है कि क्या 'हमारे राम' और 'तुम्हारे कृष्ण' जैसी दुर्भावनापूर्ण बातें कर समाज में फूट डलवाने की कुचेष्टा करने वाला व्यक्ति भी हिन्दू राष्ट्र का सूत्रधार बनने का सपना देख सकता है ? इसके द्वारा भरी सभा में अपने भक्तों के बीच की गयी बकवास की सूची बहुत लंबी है। कभी यह ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार को लेकर कहता है कि जिस महिला की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र न हो, उसे 'ख़ाली प्लॉट' समझा जाए। इसके साथ ही इस ने ब्यूटी पार्लर जाने वाली महिलाओं पर भी तंज़ कसते हुए कहा था कि वे 'काले जामुन पर फ़ाउंडेशन' लगा देती हैं। उसका यह बयान काफ़ी चर्चा में रहा। सोशल मीडिया और महिला संगठनों द्वारा इस बयान की तीखी आलोचना भी की गई थी। आलोचकों ने इसे पितृसत्तात्मक, स्त्री-विरोधी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया था। एक अन्य कथा के दौरान रामायण के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए उसने व्यास मंच से कहा था कि "विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन श्री राम जी के पांच पिता थे"। इस बयान की क्लिप वायरल होने के बाद सनातन धर्म के कई जानकारों ने इस पर सवाल उठाए। हालांकि, बाद में इसकी ओर से यह सफ़ाई दी गयी कि उसका आशय जैविक पिताओं से नहीं, बल्कि



रामायण के राजा दशरथ, राजा जनक, जटायु, सुग्रीव जैसे उन पांच चरित्रों से था जिन्हें प्रभु राम ने पिता तुल्य सम्मान या दर्जा दिया था। परन्तु आलोचकों का कहना था कि व्यास पीठ से शब्दों का चयन अधिक ज़िम्मेदारी से होना चाहिए। इसी तरह अप्रैल 2026 में नागपुर में एक धार्मिक सभा के दौरान शास्त्री ने आधुनिक जीवनशैली और पारिवारिक मूल्यों को लेकर एक वक्तव्य दिया। उस ने टिप्पणी की थी कि आजकल कुलीन या अमीर परिवारों की महिलाएं भी शराब पीने लगी हैं, और ऐसी आदतें बच्चों के पालन-पोषण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इस बयान पर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाएं आईं थीं । कांग्रेस नेताओं सहित कई विपक्षी महिला नेताओं ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए सार्वजनिक मुआफ़ी की मांग की थी और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी । हिन्दू राष्ट्र के इसी स्वयंभू सूत्रधार ने एक बार सार्वजनिक मंच से कहा था कि हिंदू परिवारों को तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए और उनमें से एक बच्चे को राष्ट्र व धर्म की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या बजरंग दल को समर्पित कर देना चाहिए। इस बयान को आलोचकों और विपक्षी दलों द्वारा अत्यधिक राजनीतिक और समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाने वाला माना गया था। अपने भक्तों को सरे आम 'पागल' कहकर संबोधित करने वाला यह व्यक्ति प्रयागराज संगम में भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं है कि 'गंगा किनारे मरने वाला मरता नहीं बल्कि मोक्ष पाता है 'तो कभी मछली खाने वाले बंगालियों को राक्षस व विधर्मी बता कर विवाद खड़ा कर देता है। कभी कहता है कि संत तुकाराम की पत्नी रोज़ उन्हें डंडे से मारती थी तो कभी करवा चौथ का नाम 'ख़सम पूजन दिवस ' रख कर इस व्रत का मज़ाक़ उड़ाता है। कभी कहता है कि लोधियों के डी एन ए में गड़बड़ है इसलिए वे मेरे विरोधी हैं तो कभी कहता है कि मुसलमानों के पास अली हैं तो हमारे पास बजरंगबली हैं। ऐसे घटिया व विवादित बयानों के अलावा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने दरबार में लोगों की पर्ची निकालने , भूत-प्रेत भगाने और बिना मेडिकल टेस्ट के बीमारियां ठीक करने के दावे भी करता है जिसे लेकर वैज्ञानिक व कानूनी विवाद हो चुका है। एक बार तो 'अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' ने नागपुर में उसके दावों को चुनौती दी और !3 लाख इनाम की चुनौती रखी। परन्तु शास्त्री ने यह चुनौती स्वीकार नहीं की। समिति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि धर्म की आड़ में अंधविश्वास और जादू-टोने को बढ़ावा देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। थोथी लोकप्रियता हासिल करने के लिये भले ही यह व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम व हिन्दू राष्ट्र का राग अलापता रहता हो परन्तु धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने कई इंटरव्यू में खुद बताया है कि जब उस का परिवार अत्यधिक आर्थिक तंगी से गुज़र रहा था, तब उनकी सगी बहन की शादी के समय शेख़ मुबारक नाम के उनके एक घनिष्ठ मुस्लिम मित्र ने उसे 20,000 रूपये देकर आर्थिक सहायता की थी। सवाल यह है कि क्या ऐसी घटिया,द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाले व समाज में धर्म व जातियों यहाँ तक कि भगवानों में अंतर पैदा करने व अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले इसी तरह के सत्ता प्रायोजित नफ़रती लोग ही हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार होंगे?



राशिफल

मेष आज आपको यह समझने का अवसर मिलेगा कि हर परिस्थिति में धैर्य और संतुलन बनाए रखना ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा, लेकिन इसके साथ आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती हैं।

वृषभ आज घर-परिवार में सुख, शांति और खुशियों का माहौल बना रह सकता है। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। यदि पिछले कुछ समय से किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत के जरिए उसे दूर करने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन आज पुराने और लंबे समय से अधूरे पड़े काम पूरे होने से मन को काफी राहत मिलेगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे जिम्मेदारियां निभाना कुछ आसान हो सकता है। हालांकि, काम का दबाव बीच-बीच में मानसिक थकान या तनाव दे सकता है। ऐसे में हर काम को एक साथ निपटाने के बजाय प्राथमिकता के अनुसार पूरा करें।

कर्क आज मन में कुछ असमंजस और उलझनें बनी रह सकती हैं। कार्यक्षेत्र में भी ऐसी परिस्थितियां सामने आ सकती हैं, जिनमें आपको धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। हालांकि, घबराने के बजाय शांत मन से निर्णय लेंगे तो परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर सकते हैं।

सिंह आज आपका आत्मविश्वास और कार्यक्षमता दोनों लोगों के सामने उभरकर आएंगे। कार्यक्षेत्र में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे और वरिष्ठ अधिकारी भी आपके काम से प्रभावित होकर प्रशंसा कर सकते हैं। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की संभावना है, जिससे मन में संतोष रहेगा। कारोबारियों के लिए भी दिन लाभकारी साबित हो सकता है।

कन्या आज भाग्य का साथ मिलने से कई मामलों में आपको राहत और सफलता मिल सकती है। सेहत में सुधार महसूस होने से आप पहले की तुलना में अधिक ऊर्जावान रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा और मेहनत के अनुरूप सम्मान मिलने की संभावना है।

तुला आज आपके जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। धन लाभ के अवसर सामने आएंगे और कामकाज भी पहले की तुलना में आसानी से आगे बढ़ सकता है। आपकी बातचीत करने की कला और लोगों को अपनी बात समझाने का तरीका आज विशेष रूप से काम आएगा।

वृश्चिक आज आपको अपने कामों में सफलता के साथ मान-सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति को राहत मिल सकती है। दोस्तों और महिला सहकर्मियों का सहयोग आपके लिए उपयोगी साबित होगा और कार्यक्षेत्र के कुछ काम आसानी से पूरे हो सकते हैं।

धनु आज का दिन कुल मिलाकर अच्छा रह सकता है, लेकिन आपका गुस्सा किसी बनते हुए काम को बिगाड़ सकता है। इसलिए किसी भी परिस्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय थोड़ा रुककर सोचें। कार्यक्षेत्र में आपकी योजना बनाने की क्षमता और मेहनत आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी।

मकर आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं, जिससे आपको राहत मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों का कार्यक्षेत्र में प्रभाव और रुतबा बढ़ सकता है। आपके काम की सराहना होने के साथ नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। खानपान और दिनचर्या में जरूरी सावधानी बरतना भी आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कुंभ आज आपको अपनी आमदनी और खर्चों के बीच संतुलन बनाकर चलने की जरूरत होगी। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं से लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन कानूनी मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही न करें। जरूरी दस्तावेजों और प्रक्रियाओं को ध्यानपूर्वक पूरा करें। यात्रा के दौरान भी सतर्क रहना बेहतर होगा।

मीन आज का दिन आपके लिए उत्साह, सकारात्मकता और आगे बढ़ने के नए अवसर लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र का माहौल अनुकूल रहेगा और आपके काम की सराहना होने से मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। किसी मित्र की मदद से कोई जरूरी काम पूरा होने की संभावना है। यदि आप नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो परिस्थितियां आपका साथ दे सकती हैं।

व्यंग्य

लाइवनेस डिटेक्शन और कांपती पलकें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

रात के ठीक तीन बजकर बीस मिनट पर राज्य कोषागार के पेंशन एवं डिजिटल जीवन सत्यापन पोर्टल की मुख्य स्क्रीन पर एक लाल उल्टी गिनती चल रही थी। स्क्रीन पर पेंशन आईडी 77412 का स्टेटस चमक रहा था 'चेतावनीः डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने हेतु अंतिम अड़तालीस घंटे शेष। सत्यापन विफल होने पर पेंशन खाता स्वतः बंद कर दिया जाएगा।' कौतूहल यह नहीं था कि पेंशनभोगी जिंदा था या नहीं, बल्कि क्या वह बूढ़ा इंसान उस विदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामने खुद को जिंदा साबित कर पाएगा?कमरे के एक कोने में, टूटी हुई चारपाई पर अस्सी साल के रिटायर्ड चपरासी रामदास लेटे थे। तीन साल पहले पड़े लकवे ने उनके आधे जिस्म की ताकत छीन ली थी। उनका मजदूर बेटा मदन पिछले दो घंटे से अपना पुराना स्मार्टफोन अपने पिता के चेहरे के ठीक सामने ताने खड़ा था। मोबाइल ऐप की नीली रोशनी उस बूढ़े, झुर्रियों वाले चेहरे पर पड़ रही थी। ऐप के भीतर से एक स्वचालित, सुरीली कम्प्यूटरीकृत आवाज बार-बार गूंज रही थी "कृपया कैमरे की ओर सीधे देखें... अपना सिर स्थिर रखें... अब दो बार पलकें झपकाएं!" रामदास बाबू ने अपनी पथराई हुई, मोतियाबिंद से धुंधली पड़ चुकी आंखों को बड़ी मुश्किल से खोला। उनकी गर्दन कांप रही थी।



उन्होंने पलक झपकाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी, लेकिन लकवे के कारण उनकी बाईं पलक स्थिर रह गई। स्क्रीन पर तुरंत लाल रंग का बड़ा क्रॉस बन गया और एक रोबोटिक बीप आई 'लाइवनेस डिटेक्शन फेल! पलकें झपकाने की गति अमान्य। डीपफेक या मुखौटे की आशंका। कृपया पुनः प्रयास करें।' मदन के माथे से पसीना बहकर स्क्रीन पर गिर पड़ा। यार, तुमने कभी किसी बेटे को अपने बाप की जिंदगी साबित करने के लिए किसी प्लास्टिक के डिब्बे के आगे हाथ जोड़ते देखा है? इस देश में जिंदा रहने के लिए फेफड़ों में हवा होना काफी नहीं है, उस हवा का कोड किसी विदेशी सर्वर से मैच होना चाहिए।

रामदास बाबू की महीने भर की पेंशन मात्र बारह सौ रुपये थी। उसी बारह सौ रुपये से उनकी दिल की सस्ती गोलियां आती थीं और दो जून की सूखी रोटी का आटा पिसता था। सुबह होते ही मदन अपने पिता को एक हाथ-ठेले पर लिटाकर ब्लॉक मुख्यालय के 'डिजिटल सेवा केंद्र' की तरफ भागा। केंद्र पर ऑपरेटर बाबू अपनी रिवाल्विंग कुर्सी पर बैठे पान मसाला चबा रहे थे।मदन रो पड़ा, "बाबूजी, ऐप मेरे पिता के चेहरे को फर्जी बता रहा है। देखिए, ये साँस ले रहे हैं, मेरी उंगली पकड़े हुए हैं... आप अपने कंप्यूटर से इनका जीवन प्रमाण-पत्र पास कर दीजिए।" ऑपरेटर ने चश्मा नाक पर टिकाया और बड़ी दार्शनिक गंभीरता से बोला, "मदन भाई, यह आधुनिक इंडिया का बायोमेट्रिक आर्किटेक्चर है। पहले तहसीलदार साहब एक पर्चा लिखकर मुहर लगा देते थे, लेकिन अब सिस्टम में इंसानी दखल पूरी तरह बंद कर दिया गया है ताकि भ्रष्टाचार न हो। अगर सॉफ्टवेयर ने 'लाइवनेस' रिजेक्ट कर दी, तो इसका मतलब है कि सिस्टम की नजर में यह शरीर निर्जीव है। हम मशीन के फैसले को कैसे काट सकते हैं?" "तो बाबूजी, छाती पर हाथ रखकर धड़कन महसूस कर लीजिए! ये जिंदा हैं!" ऑपरेटर ने हाथ झटक दिया, "धड़कन से सरकारी बजट नहीं कटता भाई! बजट डेटा से कटता है। जब तक तुम्हारा बाप कैमरे के सामने तय समय में मुस्कुराकर दो बार पलक नहीं झपकाएगा, तब तक पेंशन पोर्टल का ताला नहीं खुलेगा। जाओ, किसी आंख के डॉक्टर से लिखवाकर लाओ कि पलक क्यों नहीं झपक रही।"व्यवस्था जब ऑटोमेशन का लबादा ओढ़ लेती है, तो वह सबसे पहले अपनी आत्मा को फॉर्मेट कर देती है। दोपहर की चिलचिलाती धूप में मदन उस ठेले को खींचता हुआ वापस अपनी कच्ची बस्ती की तरफ लौट रहा था। सड़क के गड्ढों से ठेला हिचकोले खा रहा था। रामदास बाबू ने अपनी कांपती हुई सूखी हथेली मदन के कंधे पर रखी। उनके सूखे होठों से एक धीमी सी सिसकी निकली।

उन्होंने आसमान की तरफ देखा, जैसे ऊपर वाले से पूछ रहे हों कि उन्होंने इस दुनिया में आने से पहले अपनी आंखों का कोई सॉफ्टवेयर अपडेट क्यों नहीं कराया।घर के आंगन में पहुंचते ही रामदास बाबू की गर्दन एक तरफ ढुलक गई। उनकी दोनों आंखें पूरी तरह बंद हो गईं। इस बार उन्हें पलक झपकाने के लिए किसी मशीन की अनुमति की जरूरत नहीं थी; वे हमेशा के लिए सो चुके थे। नब्ज शांत हो चुकी थी। ठीक उसी पल, मदन की जेब में रखा फोन वाइब्रेट हुआ। स्क्रीन पर कोषागार का एक ऑटोमेटेड सरकारी संदेश चमका 'प्रिय पेंशनभोगी, आपका सत्यापन समय समाप्त हुआ। डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र न मिलने के कारण आपकी पेंशन तत्काल प्रभाव से शून्य की जाती है। पारदर्शी भारत, समर्थ भारत।' मदन उस ठंडे ठेले के पास घुटनों के बल बैठ गया। उसने अपने मृत पिता के शांत चेहरे को अपनी छाती से चिपका लिया। और उस टूटे हुए फोन की स्क्रीन पर वह रोबोटिक कैमरा अब भी खुला हुआ था, जो उस लाश के चेहरे को स्कैन करके हरी लाइट जलाने की प्रतीक्षा कर रहा था।

चिंतन

सच्चाई की राह,सुखद जीवन के लिए विनियोग झूठ का गंतव्य दुखी जीवन की चरम सीमा

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

भारत अपनी संस्कृति,आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता,परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से यह मानता हूं कि एक झूठ के पीछे सव झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य घुसता चला जाता है।जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों में भी यह दोष समाया रहता है।सच्चाई की साक्षात मूरत राजा हरिश्चंद्र, सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियां बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं।हमने अपने बड़े बुजुर्गों से अनेक कई किस्से सुने हैं।हम,आज की जनरेशन करीब-करीब हर सच्चाई वाली बात में इस महान मूरत का नाम ज़रूर जोड़ते हैं।हमारे बड़े बुजुर्गों से हमने कई वाक्य सुने हैं, जैसे सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, सत्य की हार नहीं होती,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं,सत्यमेव जयते। सत्यमेव जयते अनेक शासकीय, अशासकीय स्थानों पर इसका उल्लेख ज़रूर देखते हैं।यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है।



साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन!

साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वाह क्या बात है! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रूपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएगें तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएंगें परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेगें। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांच एजेंसियां नहीं होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं।

साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नहीं होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें,उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती हैउनके शरीर के नसों में झूठ रूपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यहीं इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़ियां चुग गई खेत,अब पछतावे क्या होए?साथियों बात अगर हम सत्य की गहराई की करें तो,सत्य दो प्रकार का होता है- एक व्यवहारिक सत्य और दूसरा वास्तविक। व्यवहारिक सत्य का अर्थ है जैसा देखा, जैसा सुना और जैसा अनुभव किया, उसको वैसा ही बोलना सत्य कहलाता है।व्यवहारिक सत्य में हो सकता है, जो एक के लिए सत्य है, वो दूसरे के लिए असत्य हो। वैसे तो हर व्यक्ति अपने मुताबिक अपना सत्य बना लेता है। यह व्यवहारिक सत्य, अनुभव, नजरिए और देश, काल के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। इसलिए इसमें मतभेद की संभावना बनी रहती है।ईमानदार और न्यायवादी व्यक्ति ही सत्य का पालन करता है।यह देखा गया है कि जो लोग ईमानदार होते हैं वह सदैव सच बोलते हैं। झूठे बेईमान और मक्कार लोग सदैव असत्य का फायदा लेकर अपना काम बनाते हैं। हम ऐसे लोगों से बचना चाहिए जो अपने फायदे के लिए (झूठ) असत्य बोलते हैं।सत्य का अर्थ है 'सते हितम्' अर्थात् जिसमें हित या कल्याण निहित हो। सत्य भूत, भविष्य एवं वर्तमान तीनों काल में एक सा रहता है तथा इससे यथार्थ का ज्ञान होता है। साधारण बातचीत में जो सच है, यथार्थ है उसे जानना, समझना, मानना, कहना एवं उसके अनुसार ही व्यवहार करना सत्य है। मानव बोध में सत्य के प्रति श्रद्धा एवं असत्य के प्रति घृणा स्वाभाविक रूप से पाई जाती है।मनुष्य जीवन के लिए सत्य सबसे बड़ी शक्ति हैं।जीवन तथा संसार के सत्य की तलाश कर उसे जीवन में अपनाना मानव मात्र का मूल उद्देश्य हैं।हमारी संस्कृति में सत्य को बड़ा महत्व दिया गया हैं।इस सम्बन्ध में एक महापुरुष ने ठीक ही कहा कि सत्य परेशान हो सकता है मगर पराजित नहीं. भारत की भूमि पर हरिश्चन्द्र जैसे राजा हुए जिनकी सत्यनिष्ठा के चलते वे सत्यवादी कहलाए।सत्य के रास्ते पर चलकर व्यक्ति बड़ी-बड़ी समस्या का समाधान आसानी से कर सकता है।सत्य के मार्ग पर चलकर कई लोगों ने सफलता प्राप्त कर अपना और अपने परिवार का भला किया है।सत्य के मार्ग पर चलकर कई लोगों ने सफलता प्राप्त कर दुनिया को बदला है । सत्य बोलने से व्यक्ति को सभी सम्मान देते हैं।ऐसा कहा जाता है कि तीन चीजें छुपाए नहीं छुपती- सूरज, चंद्रमा और सत्य। जो लोग सत्य का, न्याय का पक्ष लेते हैं उनकी प्रशंसा सभी लोग करते हैं।सत्य का साथ देने वालों को इतिहास स्वर्णिम पन्नों पर दर्ज करता है। परंतु जो लोग झूठ,असत्य का साथ देते हैं उनकी चारों ओर आलोचना होती है।किसी ने खूब ही कहा है कि

चन्द्र टरै, सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार।'
पै दृढ़ हरिश्चन्द्र को टरै न सत्य विचार।..
सांच बराबर तप नहीं, झूंठ बराबर पाप।
जाके हृदय सांच है, ताके हृदय आप

किसी ने धर्म के दस लक्षण बताए हैं, जिनमें सत्य भी प्रमुख स्थान रखता है।

'धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः। धीविद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।।'

अर्थात् धैर्य, क्षमा, संयम, अस्तेय (चोरी न करना), शौच (अंतर्मन और शरीर की पवित्रता), इन्द्रिय निग्रह (इन्द्रियों से धर्म सम्मन आचरण), धी (सत् बुद्धि), विद्या, सत्य एवं अक्रोध यानी हमेशा शांत रहना।

अतः अगर हम पूरे उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करेंगे तो हम पाएंगे के सत्य व दौलत है जिसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिसमें सैनिक सुख पाओ फिर जिंदगी भर जो करते रहो और सच्चाई की राह सुखद जीवन के लिए एक विनियोग है तथा झूठ का गंतव्य दुखी जीवन की चरम सीमा है

एसपी ने पुनर्वासितों से किया संवाद, बस्तर फाइटर भर्ती प्रक्रिया का भी लिया जायजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 11 नवंबर। पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने मंगलवार को बीजापुर स्थित पुनर्वास केंद्र पहुंचकर पुनर्वासित माओवादियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पुनर्वास एवं कौशल विकास प्रशिक्षण गतिविधियों का जायजा लिया। वहीं, भैरमगढ़ थाना पहुंचकर संचालित बस्तर फाइटर आरक्षक भर्ती प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया और अभ्यर्थियों के आवेदन फॉर्म जमा करने की व्यवस्था का अवलोकन किया।



पुनर्वास केंद्र में एसपी ने कौशल विकास का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुनर्वासितों से बातचीत कर उनके अनुभवों, समस्याओं, आवश्यकताओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने पुनर्वासितों को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर पुनर्वासित माओवादियों ने उत्साहपूर्वक नृत्य की प्रस्तुति दी। नृत्य के माध्यम से उन्होंने बदलते बस्तर की तस्वीर पेश करते हुए गांव-गांव तक पहुंच रही सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, राशन दुकान और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्रदर्शित किया। पूरे कार्यक्रम का माहौल खुशनुमा और आत्मीय रहा। पुनर्वासितों के चेहरों पर उत्साह और सकारात्मकता दिखाई दी।

बस्तर फाइटर भर्ती प्रक्रिया का भी किया निरीक्षण

पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक ने थाना भैरमगढ़ पहुंचकर वहां संचालित बस्तर फाइटर आरक्षक भर्ती प्रक्रिया का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अभ्यर्थियों के आवेदन फॉर्म जमा करने की व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। एसपी ने संबंधित अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, सुव्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।पुनर्वासितों के पुनर्वास और युवाओं की भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी इन गतिविधियों के माध्यम से पुलिस अधीक्षक ने एक ओर पुनर्वासितों को आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रोत्साहित किया, वहीं दूसरी ओर भर्ती प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने पर जोर दिया।

समाचार संक्षेप

नेशनल हाईवे-63 पर चाकू की नोंक पर ज्वेलर्स से लूट, तीन अज्ञात आरोपी जंगल की ओर भागे

बीजापुर 11 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के नेलसनार थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-63 पर सोमवार शाम लूट की बड़ी वारदात सामने आई है। पांडे मुर्गा गांव के समीप तीन अज्ञात लोगों ने चाकू की नोंक पर ज्वेलर्स स्वरूप सोनी से जेवरात से भरा बैग लूट लिया और जंगल की ओर फरार हो गए। लूटे गए जेवरात की कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है जानकारी के अनुसार भैरमगढ़ स्थित ज्वेलरी दुकान से ज्वेलर्स स्वरूप सोनी रोज की तरह अपने वाहन (तूफान) से गीदम जा रहे थे। सोमवार शाम करीब 6:15 बजे उनका वाहन पांडे मुर्गा गांव के पास पहुंचा, तभी मोटरसाइकिल से आए तीन अज्ञात लोगों ने वाहन रुकवा लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर ज्वेलर्स से जेवरात से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए।घटना के बाद ज्वेलर्स स्वरूप सोनी ने नेलसनार थाने में इसकी सूचना दी। नेलसनार थाना प्रभारी विवेकानंद पटेल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि ज्वेलर्स द्वारा लूट की जानकारी दी गई है। फिलहाल बैग में रखे जेवरात की मात्रा और उनकी कीमत का आकलन किया जा रहा है। पुलिस रात से ही अज्ञात आरोपियों की तलाश और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच में जुटी हुई है। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में विस्तृत जानकारी रिपोर्ट दर्ज होने के बाद दी जाएगी। फिलहाल लूटे गए जेवरात की वास्तविक कीमत और आरोपियों की पहचान को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। नक्सली उन्मूलन के बाद अब लोग लूट डकैती खुलेआम कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन को अंकुश लगाने के लिए नई रणनीति अपनाने की जरूरत है।

आज से मिलने लगेंगे धान खरीदी के टोकन तुंहर टोकन मोबाइल एप की सुविधा

जगदलपुर, 11 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ सहित बस्तर के किसानों के लिए आज का दिन बेहद अहम है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए आज मंगलवार, 10 नवंबर से टोकन जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य में 15 नवंबर से धान की खरीदी शुरू होनी है, लेकिन टोकन की व्यवस्था आज से ही लागू कर दी गई है ताकि आखिरी समय में केंद्रों पर भीड़ न लगे और किसान आराम से अपनी तारीख चुन सकें।



इस बार सरकार ने धान खरीदी की व्यवस्था को पहले से बड़ा कर दिया है। प्रदेश में 360 नए उपार्जन केंद्रों को मिलाकर कुल 3,100 केंद्रों पर धान खरीदी होगी। राज्य में 27.50 लाख से अधिक किसानों से धान खरीदने की तैयारी है। केंद्रों पर बारदाने, तौल कांटा, पानी, छाया और बैठने की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का दावा है कि इस बार खरीदी के साथ-साथ धान के सुरक्षित रखरखाव, उठाव और परिवहन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा ताकि केंद्रों पर धान सड़ने या भीगने की शिकायत न आए।इस बार किसानों को केंद्र पर लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। धान खरीदी के लिए तुंहर टोकन मोबाइल ऐप की सुविधा दी गई है। किसान घर बैठे अपने मोबाइल से ही टोकन बुक कर सकेंगे। ऐप में अपना पंजीयन नंबर और जरूरी जानकारी डालनी होगी। इसके बाद आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी से पहचान का सत्यापन होगा। सत्यापन पूरा होते ही किसान अपनी पात्रता और खाली स्लॉट के हिसाब से धान बेचने की तारीख चुन सकेंगे। टोकन बुक होते ही उसकी जानकारी मोबाइल पर ही मिल जाएगी।टोकन की व्यवस्था किसानों के पंजीकृत कृषि रकबे के हिसाब से तय की गई है। दो एकड़ तक जमीन वाले किसानों को अधिकतम एक टोकन मिलेगा। दो एकड़ से ज्यादा और दस एकड़ तक जमीन वालों को अधिकतम दो टोकन दिए जाएंगे। वहीं दस एकड़ से ज्यादा जमीन वाले बड़े किसानों को अधिकतम तीन टोकन मिलेंगे। जिन किसानों को एक से ज्यादा टोकन की पात्रता है, वे अलग-अलग तारीखों पर धान बेच सकेंगे। किसान को अपनी पात्र मात्रा के हिसाब से ही धान लेकर जाना होगा, ज्यादा धान लाने पर केंद्र पर लौटाया जा सकता है।केंद्र की दैनिक खरीदी क्षमता के हिसाब से टोकन का बंटवारा किया गया है। कुल टोकन का 70 प्रतिशत मोबाइल ऐप से और 30 प्रतिशत सहकारी समिति स्तर पर जारी किया जाएगा। ऑनलाइन टोकन में भी लघु और सीमांत किसानों को प्राथमिकता दी गई है। ऑनलाइन कोटे में 80 प्रतिशत हिस्सा छोटे किसानों के लिए और 20 प्रतिशत हिस्सा बड़े किसानों के लिए रखा गया है।

एक नजर

मेकॉज में समय पर वेतन नहीं मिलने से सफाई कर्मचारियों में असंतोष

जगदलपुर, 11 नवंबर (तछसं.)। बस्तर जिले के डिमरापाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सफाई व्यवस्था संभालने वाले कर्मचारियों को दीपावली के दौरान समय पर वेतन नहीं मिलने से नाराज सफाई कर्मचारियों में असंतोष देखा गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन काम के बदले मिलने वाला मेहनताना समय पर नहीं मिलने से असंतोष व्याप्त रहा ।बस्तर संभाग के सबसे बड़े सरकारी स्वास्थ्य संस्थान डिमरापाल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में सफाई कर्मचारियों की भूमिका मरीजों के वार्ड, शौचालय, परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी इन्हीं कर्मचारियों पर होती है। इसके बावजूद यदि उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलता, तो कर्मचारियों में इस बात को लेकर नाराजगी है ।अब सवाल यह है कि सफाई कर्मचारियों को वेतन भुगतान करने की जिम्मेदारी किसकी है? संबंधित ठेका एजेंसी और अस्पताल प्रबंधन को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करते हुए कर्मचारियों का बकाया वेतन तत्काल दिलाने की पहल करनी चाहिए। अस्पताल प्रबंधन और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से अपेक्षा है कि सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान किया जाए, ताकि अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था संभालने वाले इन कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके।

गीदम रोड स्थित कबाड़ी दुकान में लगी आग, रखा सामान जलकर खाक

जगदलपुर, 11 नवंबर (तछसं.)। जिले के परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत गीदम रोड स्थित एक कबाड़ी की दुकान में बीती देर रात आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण दुकान में रखा कबाड़ और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। शुरुआती तौर पर पटाखों से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार बीती देर रात दुकान से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने दुकान में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आस-पास के लोगों को दुकान से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए पानी डालकर उसे बुझाने क प्रयास किया । आग की चपेट में आने से दुकान में रखा कबाड़ और अन्य सामान काफी हद तक जल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, दुकान में हुए कुल नुकसान का आकलन भी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

करोड़ के सोना चोरी में शामिल महाराष्ट्र के 5 संदिग्धों को पुलिस ने पकड़ा

जगदलपुर, 11 नवंबर (तछसं.)। जिले की कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत संजय मार्केट स्थित मोती ज्वेलर्स से करोड़ रुपये के सोने के आभूषण चोरी के मामले में पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपित महाराष्ट्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दुकान और शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपितों तक पहुंच बनाई।घटना दीपावली से एक दिन पहले शाम करीब 4:30 बजे की है। ग्रामीण वेशभूषा में महिलाएं बच्चों के साथ ग्राहक बनकर दुकान पहुंची थीं। आभूषण देखने के बहाने उन्होंने दुकानदार और कर्मचारियों का ध्यान भटकाया। इसी दौरान करीब 1200 ग्राम सोने के जेवरों से भरा डिब्बा उठाकर पार कर दिया। पुलिस आज शाम तक मामले का आधिकारिक खुलासा कर सकती है।

साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने कहा

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय-सीमा में करें निराकरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 11 नवंबर। कलेक्टर विश्वदीप ने मंगलवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही पिछले एक माह में निराकृत शिकायतों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने को कहा।



कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन और अप्रारंभ आवासों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरे आवासों को प्राथमिकता से पूरा कराया जाए और जिन आवासों का निर्माण शुरू नहीं हुआ है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ किया जाए। समय पर आवास निर्माण पूरा करने वाले हितग्राहियों को बकरी शेड, गाय शेड और डबरी निर्माण जैसी अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा निर्माण सामग्री की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में आगामी धान खरीदी की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन, समिति पंजीयन और गिरदावरी की स्थिति की जानकारी लेते हुए किसानों को पंजीयन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को धान के समर्थन मूल्य और अंतर की बोनस राशि सहित प्रति क्विंटल 100 रुपये की दर से खरीदी की जानकारी देने को कहा।

धान खरीदी केंद्रों में बारदाना, तौल उपकरण, पेयजल, छाया, बैठने और धान के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी और किसान हितैषी होनी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र किसान को परेशानी न हो। बैठक में अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, उप संचालक जनसंपर्क दिनेश नेताम सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्ची से दुष्कर्म के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 11 नवंबर। दुर्ग जेवरा-सिरसा चौकी क्षेत्र में (13 साल) की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है आरोप है कि गांव में गोवर्धन पूजा के बाद चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान तीन युवक बच्ची को अपने साथ ले गए इनमें से एक युवक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया मामले में पुलिस ने तीनों युवकों को हिरासत में लिया है पुलिस के मुताबिक एक ही युवक पर दुष्कर्म का आरोप है उसके साथ गए दोनों युवकों को भी अपहरण और अन्य धाराओं में आरोपी बनाया जाएगा जानकारी के मुताबिक घटना गांव में आयोजित रिकॉर्डिंग डांस कार्यक्रम के दौरान हुई देर रात कार्यक्रम चल रहा था इसी बीच गांव के ही तीन युवक नाबालिग को अपने साथ ले गए। इसके बाद बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि घटना के बाद तीनों युवक गांव से चले गए थे। इनमें से एक युवक अपने रिश्तेदार के घर जाकर सो गया था। पुलिस ने उसे वहीं से हिरासत में लिया इस के बाद बाकी दोनों युवकों को भी पकड़ लिया गया पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है उनके परिजनों को भी पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है नाबालिग के बयान के आधार पर होगी आगे की कार्रवाई पुलिस नाबालिग का बयान दर्ज कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि बच्ची को अपने साथ ले जाने वाले बाकी दोनों युवकों ने उसके साथ कोई गलत काम तो नहीं किया पुलिस के मुताबिक, एक ही युवक पर रेप का आरोप है बाकी दोनों युवकों की भूमिका की भी जांच की जा रही है बच्ची और शिकायतकर्ता के बयान के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि पूछताछ और जांच के बाद ही मामले की बाकी बातें स्पष्ट होंगी व्ह्स् और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO) सहित अन्य संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर तीनों को हिरासत में लिया है बताया कि यह गैंगरेप का मामला नहीं है। नाबालिग के साथ रेप करने का आरोप एक ही युवक पर है उसके साथ गए दोनों युवकों को भी आरोपी बनाया जाएगा उनके खिलाफ अपहरण और अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा सकती है

नगरनार स्टील प्लांट में हॉट मेटल की चपेट में आने से ऑपरेटर की हुई मौत

जगदलपुर, 11 नवंबर । बस्तर जिले में स्थित नगरनार के एनएमडीसी स्टील प्लांट में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्लांट में काम करने के दौरान एक ऑपरेटर पिघले लोहे (स्लैग) की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 31 वर्षीय मंगल साय के रूप में हुई है। वह बस्तर जिले के छोटे देवड़ा का निवासी था। घटना के बाद प्लांट में कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगल साय नगरनार स्थित एनएमडीसी स्टील प्लांट में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था, वर्ष 2023 से वह प्लांट में काम कर रहा था। मंगलवार को ड्यूटी के दौरान वह पिघले लोहे यानी स्लैग की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले कर्मचारी की पहचान मंगल साय के रूप में की गई है। वह बस्तर जिले के छोटे देवड़ा गांव का निवासी था। घटना की जानकारी मिलने के बाद प्लांट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की सूचना मिलते ही नगरनार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव बरामद कर मामले में मर्ग कायम किया है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसकी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष सुशील मौर्य ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में एनएमडीसी प्रबंधन और प्लांट में कार्यरत ठेकेदारों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि नगरनार स्टील प्लांट में लगातार श्रमिकों, विशेषकर आदिवासी युवकों की मौत की घटनाएं सामने आना बेहद चिंताजनक है।

लावा गांव के 21 आदिवासी परिवारों को पहली बार मिली सामुदायिक टेलीविजन की सुविधा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 11 नवंबर। जिले के बैलाडीला की ऊंची पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच बसे इस छोटे से आदिवासी गांव लावा में पहली बार टेलीविजन की आवाज गूंजी है। दशकों तक नक्सलवाद के प्रभाव और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आधुनिक सुविधाओं से दूर रहे इस गांव के 21 आदिवासी परिवारों के लिए यह एक नया अनुभव है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर के दूरस्थ गांवों तक विकास और आधुनिक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ने कुआकोंडा विकासखंड के लावा गांव में सौर ऊर्जा से संचालित सामुदायिक टेलीविजन स्थापित किया है। दूरस्थ आदिवासी समुदाय को शिक्षा, सूचना, आधुनिक तकनीक और देश-दुनिया की गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लावा गांव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर के दूरस्थ और दुर्गम गांवों तक विकास, शिक्षा और आधुनिक तकनीक की सुविधाएं पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लावा गांव में सामुदायिक टेलीविजन की स्थापना बदलते बस्तर की एक महत्वपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत करती है। नक्सलवाद के प्रभाव से लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहे गांवों में अब नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।उन्होंने कहा कि जब दूरस्थ अंचलों के बच्चे और ग्रामीण आधुनिक सूचना माध्यमों से जुड़ेंगे, तो उन्हें नई जानकारियां और आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। राज्य सरकार बस्तर के प्रत्येक गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने और स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।उल्लेखनिय है कि दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड का लावा गांव बैलाडीला की ऊंची पहाड़ियों के पीछे घने जंगलों के बीच स्थित है। किरंदुल स्थित एनएमडीसी के प्रमुख लौह अयस्क खनन क्षेत्र से लगभग आठ किलोमीटर दूर होने के बावजूद गांव तक आज भी पक्की सड़क नहीं पहुंची है। गांव के 21 आदिवासी परिवारों को दैनिक जरूरतों के लिए कठिन पहाड़ी और पथरीले रास्तों से गुजरना पड़ता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन लेने के लिए भी ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। ऐसी विषम भौगोलिक परिस्थितियों में सामुदायिक टेलीविजन की स्थापना ग्रामीणों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल है।लावा और आसपास का पुरेंगल क्षेत्र लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। दुर्गम पहाड़ियों, घने जंगलों और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के कारण इस क्षेत्र में प्रशासनिक गतिविधियों और विकास कार्यों का विस्तार कठिन बना हुआ था। सुरक्षा बलों के लगातार प्रयासों और बदलती सुरक्षा परिस्थितियों के फलस्वरूप अब इस क्षेत्र में प्रशासन की पहुंच बढ़ी है। हाल ही में जिला कलेक्टर और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने लावा गांव पहुंचकर ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। जहां कभी सुरक्षा चुनौतियों के कारण प्रशासन का पहुंचना कठिन था, वहां अब अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी तथा विकास योजनाओं की पहल ग्रामीणों में नई उम्मीद जगा रही है।

लावा गांव की दुर्गम भौगोलिक स्थिति और पारंपरिक विद्युत ग्रिड से दूरी को देखते हुए सामुदायिक टेलीविजन के संचालन के लिए सौर ऊर्जा का विकल्प अपनाया गया है। लावा गांव में स्थापित सामुदायिक टेलीविजन का लाभ गांव के सभी 21 परिवारों को मिल सकेगा। ग्रामीण एक स्थान पर एकत्र होकर समाचार, शैक्षणिक कार्यक्रम और मनोरंजन से संबंधित प्रसारण देख सकेंगे। बैलाडीला की पहाड़ियों के बीच बसे लावा गांव में पहली बार गूंजी टेलीविजन की आवाज केवल एक नई सुविधा के आने की कहानी नहीं, बल्कि उस बदलते बस्तर की झलक है, जहां नक्सलवाद की चुनौतियों के बीच अब शिक्षा, तकनीक और विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

एनएमडीसी स्टील प्लांट और ठेकेदारों की लापरवाही से आदिवासी युवक की मौत की हो निष्पक्ष जांच : सुशील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 11 नवंबर। नगरनार स्थित एनएमडीसी स्टील प्लांट के एसएमएस (SMS) विभाग में हुए दर्दनाक औद्योगिक हादसे में वहां कार्यरत ऑपरेटर मंगल साय की मौके पर ही मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और श्रमिकों की कार्य परिस्थितियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पिघले हुए लोहे की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। मृतक मंगल साय की उम्र लगभग 30 से 32 वर्ष बताई जा रही है और वह छोटे देवड़ा का निवासी था। एक युवा आदिवासी श्रमिक की इस तरह असमय मौत से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष सुशील मौर्य ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में एनएमडीसी प्रबंधन और प्लांट में कार्यरत ठेकेदारों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नगरनार स्टील प्लांट में लगातार श्रमिकों, विशेषकर आदिवासी युवकों की मौत की घटनाएं सामने आना बेहद चिंताजनक है। आखिर कब तक बस्तर के आदिवासी युवा अपनी जान जोखिम में डालकर काम करते रहेंगे और उनके परिवारों को इस तरह अपूरणीय क्षति उठानी पड़ेगी

सुशील मौर्य ने कहा कि एनएमडीसी जैसे बड़े सार्वजनिक उपक्रम से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने प्रत्येक कर्मचारी और श्रमिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। लेकिन प्लांट में लगातार हो रही दुर्घटनाएं यह सवाल खड़ा करती हैं कि क्या श्रमिकों की सुरक्षा के लिए निर्धारित मानकों का वास्तव में पालन किया जा रहा है? क्या ठेका श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षण और सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है? यदि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं तो फिर बार-बार इस तरह के जानलेवा हादसे क्यों हो रहे हैं? उन्होंने कहा कि बस्तर के आदिवासी युवा रोजगार की तलाश में अपनी मेहनत और श्रम से औद्योगिक इकाइयों को आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। लेकिन यदि उन्हें कार्यस्थल पर ही सुरक्षित जीवन का भरोसा नहीं मिल पा रहा है, तो यह बेहद गंभीर विषय है। एनएमडीसी प्रबंधन को यह समझना होगा कि प्लांट में काम करने वाला प्रत्येक श्रमिक किसी परिवार का बेटा, भाई और सहारा है। उसकी जिंदगी की कीमत किसी भी उत्पादन लक्ष्य, ठेकेदारी व्यवस्था या आर्थिक लाभ से कम नहीं हो सकती।सुशील मौर्य ने आरोप लगाया कि प्लांट में ठेका श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही की आशंकाएं लगातार सामने आ रही हैं। ठेकेदारों की जिम्मेदारी केवल श्रमिकों से काम करवाने तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि उन्हें सुरक्षित कार्यस्थल, आवश्यक सुरक्षा उपकरण, तकनीकी प्रशिक्षण और दुर्घटनाओं से बचाव के सभी उपाय उपलब्ध कराना भी उनकी जिम्मेदारी है। वहीं एनएमडीसी प्रबंधन की जवाबदेही है कि वह ठेकेदारों द्वारा निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही हुई है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।उन्होंने मांग की कि मंगल साय की मौत के मामले में केवल औपचारिक जांच कर खानापूर्ति नहीं की जाए, बल्कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

नक्सलवाद के साये में छिपी रही वर्ष में केवल तीन दिन खुलने वाला नाड़पल्ली गुफा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 11 नवंबर। जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गलगम क्षेत्र के घने जंगलों और ऊंची पहाड़ियों के बीच स्थित ऐतिहासिक नाड़पल्ली गुफा वर्ष में केवल तीन दिन के लिए खुलने की एक विशेष परंपरा बताई जाती है। वर्ष में केवल तीन दिनों के लिए, दीपावली पर्व से पहले श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ इसके द्वार खोले जाते हैं। यहां प्राकृतिक चट्टानों के बीच विराजमान भगवान शिव एवं बेढ़म मल्ली के दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचते हैं। इन दिनों आस-पास के गांवों के ग्रामीण और शिवभक्त यहां पहुंचकर भगवान भोलेनाथ एवं बेढ़म मल्ली की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं और परिवार तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

पिछले करीब चार दशकों तक नक्सल गतिविधियों और असुरक्षा के माहौल के कारण यह पूरा इलाका आम लोगों की पहुंच से लगभग कटा रहा। दुर्गम पहाड़ियां और घने जंगल होने के साथ सुरक्षा संबंधी चुनौतियों ने इस क्षेत्र की धार्मिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को भी लोगों की नजरों से दूर रखा।अब क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों का प्रभाव कम होने और सुरक्षा एवं शांति का वातावरण बेहतर होने के साथ स्थानीय लोगों तथा श्रद्धालुओं के लिए इस दिशा में पहुंच आसान हो रही है।कभी जहां जाना भी चुनौती माना जाता था, वहां आज लोग अपनी आस्था के अनुसार दर्शन के लिए पहुंच पा रहे हैं। यह बदलाव बस्तर में लौटते विश्वास और सामान्य जनजीवन की उम्मीदों को भी दर्शाता है।प यंटन और शोध की अपार संभावनाएं बीजापुर जिला प्रशासन की आधिकारिक पर्यटन जानकारी में नीलम सरई, नंबी जलप्रपात और सकलनारायण गुफा जैसे प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थलों का उल्लेख मिलता है। ऐसे में नाड़पल्ली गुफा भी जिले की धार्मिक और प्राकृतिक विरासत के रूप में पहचान पाने की क्षमता रखती है।जरूरत है कि इस स्थल का पुरातात्विक सर्वेक्षण कराया जाए, स्थानीय जनश्रुतियों का दस्तावेजीकरण हो और सुरक्षित पहुंच मार्ग, बुनियादी सुविधाओं तथा संरक्षण की दिशा में पहल की जाए।नाड़पल्ली गुफा केवल पत्थरों के बीच बना एक धार्मिक स्थान नहीं, बल्कि बस्तर की लोकआस्था, रहस्यमयी इतिहास और बदलते सामाजिक परिवेश की एक अनकही कहानी है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि इस क्षेत्र में शांति, विश्वास और समृद्धि बनी रहे तथा आने वाली पीढ़ियां भी इस अनमोल विरासत को देख सकें।



7 मॉडिफाइड साइलेंसर वाले बुलेट चालकों पर हुई कार्रवाई, 2 बुलेट जब्त

सुकमा, 11 नवंबर। जिले में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर सड़कों पर तेज और कर्कश आवाज निकालने वाले बुलेट मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ सुकमा कोतवाली पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 07 वाहन चालकों पर कार्रवाही करते हुए कुल 30 हजार 300 रुपये समन शुल्क वसूला गया, जबकि 02 बुलेट मोटरसाइकिलों को जब्त कर आज मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाही की जा रही है। कार्रवाही के दौरान पुलिस ने 05 वाहन चालकों से कुल 30 हजार 300 रुपये समन शुल्क वसूला। वहीं, नियमों का उल्लं

मुख्यमंत्री लैलूंगा के ग्राम भुईयांपानी में आयोजित दीप महोत्सव में हुए शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 नवम्बर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम भुईयांपानी पहुंचे। यहां उन्होंने गुरुधाम में आयोजित दीप महोत्सव में शामिल होकर अपने आराध्य गुरुदेव स्वामी धनपती पंडा जी एवं श्रीमती प्रेमशीला पंडा की प्रतिमाओं के समक्ष नमन किया तथा गुरु गद्दी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शिव मंदिर में जलाभिषेक किया तथा हनुमान मंदिर, वटवृक्ष और मां दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपोत्सव का यह पावन पर्व हर घर में उजियारा और हर जीवन में सुख, समृद्धि, शांति एवं प्रेम का प्रकाश फैलाए। गुरुदेव का आशीर्वाद सदैव हम सब पर बना रहे।



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का अपने गुरु स्वामी धनपती पंडा जी के प्रति गहरा आध्यात्मिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है। महज दस वर्ष की आयु से ही वे गुरुदेव के अनुयायी हैं। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों और निर्णयों से पहले गुरु का आशीर्वाद लेना उनकी परंपरा रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे इस पवित्र गुरु-शिष्य परंपरा का पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरुदेव के सान्निध्य ने उन्हें सेवा, सादगी और समर्पण का मार्ग सिखाया है। उनके संस्कारों और आशीर्वाद से ही वे जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ पाए हैं। गुरुदेव ने सिखाया है कि माता-पिता ही हमारे सबसे बड़े गुरु होते हैं। उनकी सेवा और सम्मान से ही जीवन में सच्चा आनंद एवं पूर्णता प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा मूल उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। हमारी सरकार को लगभग तीन वर्ष होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की हर गारंटी को पूरा करने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सरकार गरीब, किसान, महिला, युवा और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे। नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर आगे बढ़ रहा है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूर सहायता योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी अनेक जनहितकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल देने के साथ श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर भी मिल रहा है। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रदेश आगे बढ़ेगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन और प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए ई-गवर्नेंस प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। वहीं सेवा सेतु पोर्टल के जरिए शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन करने में सहूलियत मिल रही है और प्रशासनिक सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनसुलभ बन रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में उद्योग, निवेश और अधोसंरचना के विकास के माध्यम से रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। नई औद्योगिक नीति से प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को विस्तार मिला है। हमारा संकल्प विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है, जहां हर गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़े और प्रत्येक परिवार के जीवन में खुशहाली आए।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ग्राम भुईयांपानी में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की योजना के अंतर्गत 7 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सांस्कृतिक मंच का लोकार्पण किया। ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने ग्राम भुईयांपानी के शिव मंदिर, गुरुमाता मंदिर, वटवृक्ष प्रांगण एवं हनुमान मंदिर में स्टील रेलिंग, स्टील जाली और टाइल्स लगाने के कार्यों की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम सिरकीनारा में पंचराम भगत के घर से मुख्य मार्ग तक तथा पंचायत भवन से मेहत्तर सिदार के घर तक सीसी रोड निर्माण कराने की घोषणा की। गांधी चौक में बोरवेल एवं पंप स्थापना के लिए भी घोषणा की गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दीपक सिदार, पूर्व मंत्री श्री सत्यानंद राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति भगत, सरपंच श्रीमती ललिता भगत, विजय शंकर पटनायक, शांता साय, जय प्रकाश साय, सहदेव पंडा, संजय पंडा, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

शिवानी की रंगोली ने सबका ध्यान खींचा



भाटापारा, 11 नवंबर (तछसं.)। शिवानी अग्रवाल, ने अपने घर के द्वार पर सुंदर रंगोली बनाकर सबका ध्यान आकर्षित किया। उनकी बनाई रंगोली में कला, परंपरा और आधुनिकता का अनोखा संगम देखने को मिला। रंगोली को देखने आए लोगों ने इसे दिल से सराहा और शिवानी की रचनात्मकता की जमकर तारीफ़ की। वहीं प्रेमानंद जी की रंगोली ने भी अपनी सादगी और सुंदरता से सभी का मन मोह लिया।शिवानी, गणेश अग्रवाल व शकुंतला अग्रवाल की बहू तथा अभिषेक अग्रवाल की पत्नी हैं। उनकी कला ने इस दीवाली के उत्सव को और भी यादगार बना दिया।

आयुर्वेद चिकित्सालय दल्ली राजहरा में धूमधाम से मनाई गई भगवान धन्वंतरि जयंती

दल्लीराजहरा, 11 नवंबर (तछसं.)। धनतेरस के पावन अवसर पर शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, दल्ली राजहरा में भगवान धन्वंतरि की जयंती बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।कार्यक्रम का शुभारंभ आयुर्वेदिक चिकित्सालय चिखला कसा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान धन्वंतरि के तैल चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की।पूजा के दौरान अस्पताल के सभी डॉक्टरों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से भगवान धन्वंतरि की आरती गाई और सभी के सुखद स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया।डॉ अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि मान्यता है कि धनतेरस के ही दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। वे आयुर्वेद के जनक और आरोग्य के देवता माने जाते हैं। इसी कारण धनतेरस को धन्वंतरि जयंती के रूप में मनाया जाता है।अपने उद्बोधन में चिकित्सालय प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने सभी को धन्वंतरि जयंती की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने धन्वंतरि जयंती मनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने सभी से संतुलित जीवन शैली, नियमित दिनचर्या, शुद्ध खान-पान और योग को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने ÷सर्वे भवन्तु सुखिन÷ की कामना करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा धन है।इस अवसर पर चिकित्सालय के स्टाफ के साथ ही नगर के गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे चिकित्सालय परिसर को फूलों और दीपों से सजाया गया था, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया था।कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ. वर्षा, डॉ. एंजिल आभा कुजूर, डॉ. पूनमचंद सोनकर, शीतल सिंह चुरेंद्र, सबीहा अल्वी सिंह, शीतल चौहान, वीणा राजपुरिया, सुदेश मनहरे, गौकरण चतुर्वेदी, आजाद साहू, त्रिवेणी साहू, राधिका नेताम, चकरो सोना, सोहम ठाकुर, मनोज यादव, शेखर यादव, . भुनेश्वरी नेताम सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित थे ।

कलेक्टर ने सुचारु धान खरीदी के लिए ली मिलर्स एवं मंडी व्यापारियों की बैठक

कांकेर, 11 नवंबर । समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आज जिले के राइस मिलर्स एवं मंडी व्यापारियों की बैठक लेकर शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी मिलर्स एवं व्यापारियों को नियमानुसार धान का क्रय-विक्रय एवं परिवहन करने के निर्देश देते हुए कहा कि नियमों के तहत व्यापार करने वालों को जिला प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। खरीदी अवधि के दौरान धान का परिवहन नहीं किया जाएगा। खरीदी अवधि समाप्त होने के बाद ही उपार्जन केंद्रों से धान का परिवहन किया जाएगा। कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों में पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने के लिए उनका एरिया बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि खरीदे गए धान के सुरक्षित भंडारण में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सभी खरीदी केंद्रों में 14 नवंबर तक पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जिला विपणन अधिकारी को दिए। साथ ही राइस मिलर्स से प्राप्त होने वाले बारदाने की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कटे-फटे बारदाने नहीं लेने की बात कही।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अवधि 15 नवंबर से 15 जनवरी तक धान परिवहन के लिए डीओ जारी नहीं किए जाएंगे। उन्होंने सभी राइस मिलर्स को अपने मिलों में धान के स्टॉक का पंजी अनिवार्य रूप से संधारित करने तथा पुराने एवं नए धान की प्रविष्टियां रजिस्टर में अलग-अलग दर्ज करने के निर्देश दिए। धान परिवहन के लिए केवल जीपीएस युक्त वाहनों का उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी खरीदी केंद्रों में चार-चार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा विभिन्न मार्गों पर चेकपोस्ट स्थापित किए जाएंगे तथा सघन जांच के लिए उड़नदस्ता टीमों की तैनाती की जाएगी।कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने धान का क्रय-विक्रय करने वाले ट्रेडर्स को भी मंडी अनुज्ञा के अनुरूप ही व्यापार एवं परिवहन करने की समझाइश दी। उन्होंने बाजार से खरीदे गए धान की जानकारी नियमानुसार बाजार आवक रजिस्टर में दर्ज करने तथा फुटकर व्यापारियों से खरीदे गए धान की प्रविष्टि भी अनिवार्य रूप से रजिस्टर में करने के निर्देश दिए। परिवहन के दौरान चेकपोस्ट (नाका) पर अनुज्ञा में दर्ज धान की मात्रा की एंट्री कराने के लिए भी कहा गया। उन्होंने सभी मिलर्स एवं व्यापारियों से शासन के नियमों का पालन करते हुए धान खरीदी व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियमानुसार व्यापार करने वाले सभी लोगों को जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग दिया जाएगा।

जनजातीय गौरव दिवस का राज्यस्तरीय आयोजन 15 नवम्बर को धरमजयगढ़ में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 नवम्बर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को समर्पित इस कार्यक्रम को भव्य एवं गरिमामय स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आयोजन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



बैठक में कार्यक्रम स्थल पर मंच निर्माण एवं सजावट, टेंट, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल, विद्युत, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था, साफ-सफाई तथा चिकित्सा सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथियों और आम नागरिकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करें और निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूरी करें।

कलेक्टर ने विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट अतिथियों के आगमन, स्वागत, बैठक एवं भोजन व्यवस्था के साथ आमंत्रण पत्रों के वितरण को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जनजातीय गौरव दिवस की थीम पर आधारित गतिविधियों, प्रदर्शनी तथा मीडिया कवरेज के लिए समुचित प्रबंध करने को कहा। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर यातायात नियंत्रण, पर्याप्त पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। आयोजन के सुचारू संचालन के लिए विभागवार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के अनुरूप कार्य करने और कार्यक्रम स्थल का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में आयुक्त नगर निगम श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और गौरवशाली विरासत को समर्पित होगा आयोजन

उल्लेखनीय है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है। भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते हुए देश के इतिहास में अमिट स्थान बनाया है।

यह दिवस जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक जीवनशैली और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान को स्मरण करने का अवसर है। धरमजयगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय संस्कृति, लोककला और परंपराओं की आकर्षक झलक देखने को मिलेगी।

सुशासन के लिए डिजिटल सेवाओं का केंद्रीय अधिकारियों ने किया अवलोकन

रायगढ़, 11 नवम्बर । सुशासन और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई डिजिटल सेवाओं एवं ऑनलाइन व्यवस्थाओं का भारत सरकार के अधिकारियों ने अवलोकन किया। गत दिवस 6 नवंबर को भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय के निदेशक श्री पार्थसारथी भास्कर एवं राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, नई दिल्ली की यंग प्रोफेशनल सुश्री अंबालिका ने जिले का दौरा कर विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की कार्यप्रणाली और उनके माध्यम से नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली।



भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित ई-नजूल, राहत रायगढ़, ऑनलाइन अभिलेख कक्ष, ई-नकल तथा जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) पोर्टल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इन सेवाओं की कार्यप्रणाली, नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं तथा शासकीय प्रक्रियाओं को ऑनलाइन करने की व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई इन डिजिटल सेवाओं का उद्देश्य आम नागरिकों को शासकीय सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराना और कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत देना है। ऑनलाइन अभिलेख कक्ष एवं ई-नकल के माध्यम से नागरिकों को पुराने अभिलेखों और आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है। वहीं, ई-नजूल और राहत रायगढ़ पोर्टल के माध्यम से संबंधित सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। जिला खनिज न्यास पोर्टल के जरिए खनिज न्यास से जुड़े कार्यों और जानकारियों का डिजिटल प्रबंधन किया जा रहा है।

इस दौरान श्री भास्कर ने कलेक्ट्रेट परिसर में आम नागरिकों की सुविधा के लिए स्थापित ऑनलाइन अभिलेख कक्ष के सेवा केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही डिजिटल सेवाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट स्थित अभिलेख कक्ष का अवलोकन कर दस्तावेजों के संधारण, अभिलेखों की उपलब्धता और उन्हें ऑनलाइन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान संयुक्त कलेक्टर डॉ. हेमेन्द्र भुआर्या, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल, जिला खनिज न्यास के सलाहकार श्री अखिल श्रीकुमार एवं जिला पंचायत के प्रोग्रामर श्री अभिषेक दंडेकर उपस्थित रहे।

छठ पर्व एवं मोहारा मेला की तैयारी

राजनांदगांव 11 नवम्बर। छठ पर्व एवं मोहारा मेला को ध्यान में रखते हुये महापौर श्री मधुसूदन यादव व निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने शहर में साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने, के साथ साथ मोती तालाब व चिखली तालाब के अलावा अन्य तालाबों के आस पास साफ सफाई करने, दवा का छिडकाव करने, विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये। वही मोहारा मेला स्थल निरीक्षण के दौरान महापौर ने मेला स्थल में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री आलोक श्रोती, पार्षद श्री चन्द्रकृत साहू उपस्थित थे।प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छठ पर्व के अवसर पर मोती तालाब एवं चिखली तालाब में तीन दिनो तक पूजा कर त्योहार मनाया जावेगा। छठ पर्व के पूर्व दोनो तालाबो में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने महापौर श्री यादव एवं आयुक्त श्री मरकाम ने आज मोती तालाब का निरीक्षण किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से पुष्पा महंत को मिली बड़ी राहत



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 नवम्बर। शासन की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए बिजली खर्च में राहत और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का प्रभावी माध्यम बन रही है। रायगढ़ के चक्रधर नगर निवासी पुष्पा महंत ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर में 3.5 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। इसका सीधा फायदा उनके बिजली बिल पर देखने को मिल रहा है। पहले की तुलना में उनका बिजली बिल लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गया है। इससे घरेलू बजट को राहत मिलने के साथ सौर ऊर्जा के प्रति उनका भरोसा भी बढ़ा है।

पुष्पा महंत ने बताया कि पहले हर महीने आने वाला बिजली बिल घरेलू बजट को प्रभावित करता था, लेकिन घर में सोलर सिस्टम लगने के बाद बिजली खर्च में काफी कमी आई है। अब बिजली बिल लगभग आधा रह गया है। इस बचत से उत्साहित होकर वे आने वाले समय में 3 किलोवाट क्षमता का एक और सोलर प्लांट लगाने की योजना बना रही हैं। सोलर सिस्टम की एक और खासियत यह है कि इसकी निगरानी मोबाइल फोन के माध्यम से की जा सकती है। पुष्पा महंत ने बताया कि मोबाइल पर ही सुबह से शाम तक उत्पादित बिजली यूनिट और घर में हुई कुल बिजली खपत की जानकारी मिल जाती है। इससे बिजली उत्पादन और उपयोग का हिसाब रखना आसान हो गया है।योजना से मिले लाभ से खुश होकर पुष्पा महंत ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम परिवारों को बिजली खर्च में राहत देने और सौर ऊर्जा अपनाने का बेहतर अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने अन्य लोगों से भी अपने घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगवाकर स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और बिजली बिल में बचत करने की अपील की।

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि अब 15 नवंबर तक

रायगढ़, 11 नवम्बर । युवा रत्न सम्मान योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को आवेदन करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 15 नवंबर 2026 कर दिया गया है। योजना के तहत जिले के पात्र युवा एवं स्वैच्छिक संगठन निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजना से जोड़ने और आवेदन का पर्याप्त अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

37 छ.ग. बटालियन के अंतर्गत ए.टी.सी.-143 बोराई कैंप में कैडेट्स ने सीखा सेना के जीवन का अनुशासन



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंडी, 11 नवंबर। 37 छत्तीसगढ़ बटालियन के अंतर्गत 26 अक्टूबर से 04 नवंबर 2026 तक ए.टी.सी.-143 बोराई कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप में पीएम श्री सेजेस डोंडी के 45 कैडेट्स ने भाग लिया और एन.सी.सी. की विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कैंप कमांडेंट सी.ओ. नीलेश चतुर्वेदी ने कैडेट्स को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से सेना का जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कैडेट्स को बताया कि एक सैनिक का जीवन त्याग, अनुशासन और देशभक्ति से भरा होता है।कैंप का विशेष आकर्षण फायरिंग रहा। इसके साथ ही पी.आई. स्टाफ द्वारा कैडेट्स को विभिन्न सैन्य विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया गया, जैसे *शस्त्र प्रशिक्षण, मानचित्र अध्ययन, फील्ड क्राफ्ट और बैटल क्राफ्ट। कैंप में स्मोक कैंडल का शानदार प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि युद्ध के दौरान स्मोक कैंडल का उपयोग सैनिक को आड़ लेने और हेलीकॉप्टर को रास्ता बताने के लिए किया जाता है। इस प्रदर्शन ने कैडेट्स में विशेष रोमांच पैदा कर दिया।यातायात पुलिस द्वारा कैडेट्स को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।समापन समारोह में कैंप कमांडेंट सी.ओ. नीलेश चतुर्वेदी ने कैडेट्स को अनुशासन का विशेष महत्व बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर कैडेट्स के साथ उनकी एसोसिएट एन.सी.सी. अधिकारी श्रीमती अल्का मेंढे भी उपस्थित रहीं। शाला की प्राचार्या श्रीमती ज्योति मेश्राम तथा शाला के सभी शिक्षकगणों ने भी कैडेट्स को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समाचार संक्षेप

मुख्यमंत्री की 'विष्णु पाती' पाकर खुश हुईं रायगढ़ की दुर्गा यादव

रायगढ़, 11 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भेजी गई आत्मीय शुभकामना पाती रायगढ़ की दुर्गा यादव के लिए यादगार बन गई। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत पत्र पाकर दुर्गा यादव और उनका परिवार बेहद खुश हुआ। उन्होंने इस आत्मीय पहल के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में दुर्गा यादव को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए उनके परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की है। साथ ही घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच आरोग्य महिला समिति की अध्यक्ष के रूप में सामाजिक दायित्व निभाने के लिए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को नेतृत्व करते देख उन्हें हमेशा खुशी होती है। उन्होंने महिला भागीदारी को विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प के लिए महत्वपूर्ण बताया।पत्र में मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना से दुर्गा यादव को मिल रही आर्थिक सहायता पर भी प्रसन्नता जताई और उनके परिवार की खुशहाली की कामना की। उन्होंने उनके पति राजू के मेहनत और परिश्रम का उल्लेख करते हुए बड़े बेटे देव कुमार के बी.ए. प्रथम वर्ष तथा छोटे बेटे यश कुमार के कक्षा दसवीं में अध्ययन करने पर खुशी जताई। साथ ही दोनों बच्चों को मन लगाकर पढ़ने और जीवन में आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। दुर्गा यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिस आत्मीयता से उनके परिवार, सामाजिक जिम्मेदारियों और बच्चों की पढ़ाई का उल्लेख करते हुए शुभकामनाएं दी हैं, उससे वे अभिभूत हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता भी परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया।



मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत रायगढ़ से 23 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना



रायगढ़, 11 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासन की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद श्रद्धालुओं के लिए तीर्थ दर्शन करने का सपना साकार हो रहा है। इसी कड़ी में आज रायगढ़ जिले के 23 तीर्थयात्रियों का जत्था अमृतसर, स्वर्ण मंदिर, वैष्णो माता मंदिर और बाघा बॉर्डर के दर्शन के लिए रवाना हुआ। सुबह 7 बजे बस के माध्यम से सभी यात्रियों को उसलापुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया, जहां से वे आगे की यात्रा पूरी करेंगे। इस दौरान यात्रियों में तीर्थ दर्शन को लेकर खासा उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। सभी श्रद्धालु धार्मिक स्थलों के दर्शन को लेकर उत्साहित नजर आए।मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत शासन द्वारा यात्रियों के लिए भोजन, आवास और यात्रा की समुचित व्यवस्था की गई है। इस योजना से वरिष्ठ नागरिकों के साथ विधवा, परित्यक्त महिलाओं एवं जरूरतमंद श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। तीर्थ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं ने योजना के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण जिन तीर्थस्थलों की यात्रा करना संभव नहीं हो पाता था, वहां अब शासन की सहायता से दर्शन का अवसर मिल रहा है। यह योजना उनके लिए बेहद सुखद और यादगार अनुभव साबित हो रही है। तीर्थयात्रियों को उपसंचालक समाज कल्याण श्री शिवशंकर पाण्डेय एवं विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति में रवाना किया गया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर जिला जेल एवं उपजेल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित



रायगढ़, 11 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 9 नवंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ द्वारा जिला जेल रायगढ़, महिला बंदी गृह रायगढ़ एवं उपजेल सारंगढ़ में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने, अधिवक्ता की सुविधा तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई

एक नजर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पाती पाकर भावुक हुई रूखमणी साहू

राजनांदगांव 11 नवम्बर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से प्राप्त आत्मीय पत्र ने श्रीमती रूखमणी साहू के जीवन में खुशी, सम्मान और नई ऊर्जा का संचार किया है। मुख्यमंत्री की पाती पाकर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुकुलदैहान की लखपति दीदी श्रीमती रूखमणी साहू भावुक हो उठीं। उनके लिए यह केवल एक पत्र नहीं, बल्कि उनके संघर्ष, परिश्रम, परिवार के योगदान और आगे बढऩे के संकल्प को मिला एक आत्मीय सम्मान है। मुख्यमंत्री के स्नेहपूर्ण शब्दों ने उनके आत्मविश्वास को नई मजबूती दी है और जीवन में निरंतर आगे बढऩे का हौसला बढ़ाया है। श्रीमती रूखमणी साहू ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज उन्हें अपने भैया मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पाती प्राप्त हुई है, जिसे पाकर वे अत्यंत आनंदित और उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के इस आत्मीय पत्र ने उन्हें आगे बढऩे के लिए नया साहस, संबल और प्रेरणा प्रदान की है। यह उनके लिए गर्व और भावनात्मक अनुभूति का क्षण है। शासन की योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उनके प्रयासों को सम्मान और प्रोत्साहन मिलना अत्यंत सुखद है।श्रीमती रूखमणी साहू ने विशेष रूप से अपने पति के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके पति एक भूतपूर्व सैनिक हैं, जिन्होंने देश की सेवा करने के पश्चात अपनी कर्मभूमि से जन्मभूमि लौटकर परिवार की जिम्मेदारियों के साथ उनके कार्यों में भी सहयोग प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा उनके पति की देशसेवा और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करना उनके पूरे परिवार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उनकी दोनों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करना और माता-पिता के प्रति सम्मान व्यक्त करना उनके हृदय को छू गया। यह आत्मीयता उनके परिवार के लिए अविस्मरणीय है। श्रीमती रूखमणी साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को आगे बढऩे के नए अवसर मिल रहे हैं। बिहान परियोजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और समाज में नई पहचान स्थापित करने की प्रेरणा दे रही है। उन्होंने कहा कि शासन के प्रयासों से उनके जैसी अनेक महिलाएं अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और दूसरी महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही हैं। श्रीमती साहू ने भावुक होकर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उन्हें और उनके परिवार को जो स्नेह, सम्मान और प्रोत्साहन दिया है, वह उनके लिए अनमोल है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा बिहान परियोजना के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की यह पाती उन्हें जीवन में सदैव आगे बढऩे और समाज के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

धान विक्रय के लिए किसानों का टोकन कटना शुरू, पहले दिन 61 किसानों ने कटवाया

कांकेर, 11 नवंबर। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए जिले में किसानों का ऑनलाइन टोकन काटने की प्रक्रिया 10 नवंबर से प्रारंभ हो गई है। किसान 'तुंहर टोकन' (टोकन तुंहर हाथ) मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं।जिला विपणन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, टोकन कटने के पहले ही दिन जिले के 37 धान उपार्जन केंद्रों में 61 किसानों द्वारा कुल 2,884 क्विंटल धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन जारी कराया गया है। उल्लेखनीय है कि धान विक्रय के लिए किसानों को टोकन प्राप्त करने की सुविधा ऑनलाइन एवं समिति दोनों माध्यमों से उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत कुल टोकन का 70 प्रतिशत किसान स्वयं ऑनलाइन 'तुंहर टोकन' ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन संबंधित समिति के माध्यम से कटवा सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर अपना टोकन कटवाएं तथा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा का लाभ उठाएं।

वरिष्ठ साहित्यकार व नाट्यकर्मी अबू तारिक दुबई में सम्मानित, छत्तीसगढ़ी संस्कृति का बढ़ा मान



भिलाई,11 नवंबर। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और माटी से जुड़ाव का दायरा सात समंदर पार दुबई तक फैल चुका है। इसी कड़ी में दुर्ग-भिलाई के जाने-माने वरिष्ठ साहित्यकार और नाट्यकर्मी मुहम्मद अबू तारिक को सपत्नीक दुबई में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं दीवाली मिलन समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने विदेशों में रह रहे प्रवासियों को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने का एक अनूठा उदाहरण पेश किया है।नॉर्थ अमेरिकन छत्तीसगढ़ी एसोसिएशन नाचा की यूएई इकाई के तत्वावधान में दुबई में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस और दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन में नाचा-यूएई के अध्यक्ष अमित उपाध्याय के आमंत्रण पर भिलाई के प्रख्यात साहित्यकार एवं नाट्यकर्मी मुहम्मद अबू तारिक ने अपनी पत्नी के साथ खास तौर पर शिरकत की। उनके कला, साहित्य और नाट्य क्षेत्र में दिए गए बहुमूल्य योगदान को देखते हुए उन्हें इस आयोजन में सम्मानित किया गया, जिससे छत्तीसगढ़ और इस्पात नगरी भिलाई का नाम गौरवान्वित हुआ है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और कनाडा में रह रहे छत्तीसगढ़ी मूल के प्रवासियों (एनआरआई) के नाचा का विस्तार दुनिया भर में हो रहा है और यूएई में भी नाचाकी इकाई सक्रिय है आयोजन में अबू तारिक को छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को देखते हुए सम्मानित किया गया। सेल की इकाई भिलाई रीफ्रैक्टरीज प्लांट-बीआरपी (अब एसआरयू) से सेवानिवृत्त मुहम्मद अबू तारिक ने साहित्य और नाट्य कला में कई आयाम गढ़े हैं।

रामनगर चौक में गौरी-गौरा उत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 11 नवंबर। छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू, परंपरा की गूंज और आस्था की अलौकिक शक्ति, ये सब एक साथ देखना हो तो दल्ली राजहरा के वार्ड क्रमांक 2, आजाद नगर के रामनगर चौक आइए। यहां छत्तीसगढ़ी परंपरा को संजोकर विगत 61 वर्षों से गौरी-गौरा उत्सव मनाया जा रहा है।

दल्ली राजहरा में हर वार्ड में गौरी-गौरा उत्सव होता है, लेकिन रामनगर चौक का उत्सव सबसे पुराना और सबसे जीवंत है। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी से शुरू होने वाला यह उत्सव वास्तव में छत्तीसगढ़ परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जहां ईश्वर राजा गौरा और गौरी के 5 दिन के विवाह, गौरा जगाने की परंपरा और विसर्जन का अनोखा संगम देखने को मिलता है। जब खदान बसी, तब परंपरा भी साथ आई जब दल्ली राजहरा में लौह अयस्क खदान में खनन का कार्य शुरू हुआ, तब आसपास के गांवों में रहने वाले छत्तीसगढ़ी परिवार काम की तलाश में दल्ली राजहरा आए। वे अपने साथ सिर्फ



सामान नहीं लाए, अपनी संस्कृति, अपने देवता और अपनी परंपराएं भी लेकर आए। उन्हीं लोगों ने दल्ली राजहरा के विभिन्न चौक-चौराहों पर गौरा चंवरा का निर्माण किया और छत्तीसगढ़ की परंपरा के अनुसार भगवान शंकर और मां पार्वती के विवाह का पारंपरिक त्यौहार गौरी-गौरा उत्सव के रूप में मनाने लगे।

5 दिन का उत्सव, 5 दिन की भक्ति

पांच दिवसीय यह त्यौहार मन में उमंग, उत्साह और कौतूहल को जन्म देता है। रामनगर चौक में दीपावली के 5 दिन के त्यौहार में द्वादशी के दिन गौरी-गौरा उत्सव की शुरुआत छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मुसर, पौराणिक धान से चावल निकालने के औजार) से देशी अंडे फोड़ने की परंपरा से की जाती है। उसके बाद मोहल्ले की माताएं गौरी-गौरा का श्रृंगार गीत गाती हैं, गौरा गौरी को छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुसार महिलाएं गौरा जागे मोर गौरी जागे, एक पत्री रहनी बैनी गीत गाकर जगाती हैं। द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी तक यह परंपरा लगातार चलती है।महालक्ष्मी पूजा, दीपावली की रात में युवाओं के द्वारा मिट्टी से भगवान शिव व माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है। जिसमें ईश्वर राजा नंदी पर तथा मां पार्वती कछुआ पर सवार होती हैं। दोनों मूर्तियों को अलग-अलग लकड़ी से बने पाटा पर चंदनी गोंदा फूल, धान की बाली, मेमरी, सीलहोटी आदि से सजाकर कलश के साथ पूरे मोहल्ले में घुमाया जाता है। लोगों द्वारा जगह-जगह रोककर गौरी-गौरा की बड़े श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा-अर्चना करते हुए गौरी-गौरा तथा कलश के साथ लोग राजहरा बाबा तालाब पहुंचकर विसर्जन करते हैं।इस दौरान कई भक्त जनों के द्वारा कलश लेकर जा रहे बालिकाओं को फल शरबत रुपया नगद रुपया आदि भेंट की जाती है ।

देव आना ढकोसला नहीं, अलौकिक शक्ति है

लोगों के मन में आशंका रहती है कि देव आना एक ढकोसला है। लेकिन यह सब पूजा स्थल पर पहुंचकर देखने से पता चलता है। जब लोग गौरी-गौरा उत्सव के बाजे की धुन पर अपने आप झूमने लगते हैं। प्रतिदिन लोगों का इस तरह से देव आना और देव उतर जाने के बाद उनसे पूछना कि तुम्हारे साथ क्या हुआ, तो उनका अनभिज्ञता जताना, यह सभी अलौकिक शक्ति को दर्शाता है।

धरती के पहले राजा-रानी का विवाह है गौरी-गौरा उत्सव

शिव-पार्वती का विवाह महाशिवरात्रि को माना जाता है, लेकिन गौरी-गौरा का विवाह दिवाली में मनाया जाता है। इसका कारण बहुत गहरा है।किंवदंती है कि महादेव के शिव के रूप में अवतार लेने से पहले ईश्वर राजा के रूप में धरती पर अवतरित हुए थे। ईश्वर राजा गौरा और रानी गौरा इस धरती के सबसे पहले राजा-रानी थे, जिन्होंने इस सृष्टि में सबसे पहले विवाह रचाया था।लोकमान्यता और वायरल वीडियो के अनुसार ईश्वर राजा मरकाम गोत्र के थे, धमधा गढ़ गांव के रहने वाले और रानी गौरा नेताम गोत्र की थीं, लांजी गांव की। आज भी गोंडवाना समाज में ईश्वर राजा और गौरा रानी के विवाह के माध्यम से मरकाम और नेताम गोत्र के विवाह की परंपरा को दर्शाया जाता है। गोंड समाज मूल रूप से महादेव को ईश्वर राजा गौरा और मां पार्वती को गौरी के रूप में पूजता है। यही गोंड समाज का मूल

गैस की रोशनी से शुरू हुई परंपरा, आज भी वैसी ही

रामनगर चौक में गौरी-गौरा उत्सव की शुरुआत स्वर्गीय उजियार बैगा और स्वर्गीय गणेश राम निर्मलकर ने की थी। उस समय आज की तरह बिजली व्यवस्था नहीं होती थी। मिट्टी तेल के गैस से रोशनी की जाती थी। मिट्टी से गौरा चंवरा का निर्माण हर साल होता था, क्योंकि बरसात में गौरा चंवरा पूरी तरह बह जाता था। आज भी अपने दादा-दादी और नाना-नानी के द्वारा शुरुआत की गई उस परंपरा को रामनगर चौक की युवा पीढ़ी जारी रखे हुए है। इस परंपरा को बनाए रखने में बुजुर्गों और महिलाओं का पूरी तरह से योगदान है। आज भी उसी अंदाज में गौरी-गौरा उत्सव मनाया जाता है।

फरार फहीम अख्तर गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास के अपराध में भेजा गया जेल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 11 नवंबर । खरसिया बस स्टैंड के पास युवक के साथ मारपीट एवं चाकूबाजी कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में खरसिया पुलिस ने फरार आरोपी फहीम अख्तर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से पुलिस की गिरफ्तारी से बचने लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस को उसकी तलाश हत्या के प्रयास के मामले में थी। वहींए प्रकरण में शामिल एक अन्य आरोपी फैज खान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की लगातार दबिश जारी है।

घटना के संबंध में रिपोर्टकर्ता ममता ठाकुर पति कुन्दन सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 09 खरसिया वर्तमान निवासी गुजरातीपारा जयराम कॉलोनी रेलवे अस्पताल के पीछे रायगढ़ ने दिनांक 31.10.2026 को पुलिस चौकी खरसिया में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 30.10.2026 को दोपहर करीब 3 बजे नया बस स्टैंड खरसिया के

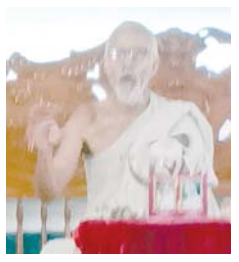


पास ईशान पेशवानी और फैज खान व फहीम अख्तर के बीच गाली.गलौज एवं विवाद हो रहा था। इस पर ईशान पेशवानी ने अपने परिचित अजय राजपूत 25 वर्ष को फोन कर घटना की जानकारी दी। अजय मौके पर पहुंचकर विवाद शांत कराने का प्रयास कर रहा थाए तभी पूर्व रंजिश को लेकर फैज खान एवं फहीम अख्तर ने उसे अश्लील गाली.गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ.मुक्कों से मारपीट करने लगे। अजय जब अपनी जान बचाकर वहां से भागने लगा तो दोनों आरोपियों ने उसका पीछा किया। फहीम अख्तर ने अजय को पकड़ लिया और फैज खान ने अपने पास रखे धारदार चाकू से उस पर वार कर गंभीर चोट पहुंचाई। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल अजय को ईशान पेशवानी उपचार के लिए शासकीय अस्पताल खरसिया लेकर पहुंचाए जहां प्राथमिक परीक्षण के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रायगढ़ रेफर कर दिया। ममता ठाकुर की लिखित रिपोर्ट पर पुलिस चौकी खरसियाए थाना खरसिया में अपराध क्रमांक 569.2026 धारा 296ए 351.3 ए 109ए 1181 ए 3.5 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना के बाद से ही दोनों फरार आरोपियों की पतासाजी के लिए खरसिया पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार अपना लोकेशन बदल रहे थे। इसी दौरान कल फहीम अख्तर के खरसिया में देखे जाने की सूचना मिली। सूचना पर चौकी प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना दिनांक को फैज खान के साथ मिलकर अजय राजपूत से मारपीट करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि घटना के बाद दोनों फरार होकर बिलासपुर से नागपुर चले गए थे। वहां से कल रायगढ़ लौटने के बाद वह छिपते हुए खरसिया स्थित अपने घर जाने की फिराक में थाए तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। खरसिया पुलिस ने आरोपी फहीम अख्तर पिता शकील अख्तर उम्र 23 साल निवासी हनुमान चौक खरसिया को हत्या के प्रयास के प्रकरण में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले के दूसरे फरार आरोपी फैज खान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की लगातार दबिश जारी है। आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी सहायक उप निरीक्षक मनोज पटेल प्रधान आरक्षक अनंत तिवारी आरक्षक साविल चंद्रा एवं आरक्षक सिदार सिंह की अहम भूमिका रही।

समाचार संक्षेप

मदद करो किंतु उसे प्रकट मत करो :समय प्रभ जी

राजनांदगांव 11 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मदद करो किंतु उसे कभी भी प्रकट मत करो। भाई दूज का अवसर है,भाई सक्षम है और बहन असक्षम है तो भाई को बहन की मदद करनी चाहिए। इसी तरह बहन यदि सक्षम है और भाई कमजोर है तो बहन को भाई की मदद करनी चाहिए। वैसे भी कोई यदि सक्षम है तो उसे कमजोर की सहायता अवश्य करनी चाहिए । ÷ उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य समयप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए।मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने कहा कि जहां आत्मीयता होती है, वहां कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। जिससे आत्मीयता हो उसपर विश्वास भी होना चाहिए। बहन, भाई का सहयोग करें या भाई,बहन का सहयोग करें उसे कभी प्रकट न करें। स्नेह में इतनी शक्ति होती है कि व्यक्ति को दूरी का एहसास ही नहीं होता। उन्होंने कहा कि अपने परिवार के बीच में बैठो तो धंधे की कोई बात मत करो बल्कि एक दूसरे से जीवन की अनुभूति के बारे में पूछो मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने कहा कि संयुक्त परिवार के महत्व को समझो और यदि संयुक्त परिवार में हो तो कम से कम सप्ताह में एक बार पूरा परिवार साथ में बैठो और एक-दूसरे से अपनी अनुभूति को साझा करो। जब लोग एक-दूसरे से अपनी अनुमति साझा करेंगे तब आपको और सभी को आत्मीयता की अनुभूति होगी। यह एहसास बहुत सुखद होता है। पता नहीं स्वर्ग में स्थान मिले या ना मिले किंतु पृथ्वी का स्वर्ग आपको अवश्य मिलेगा। जितनी आप आदमी का बांटते रहो उतनी ही आपको खुशी मिलती रहेगी। इसलिए कमजोरों की मदद करो और आत्मीयता बनाए रखो।



गोवर्धन पूजा पर महापौर ने कांजी हाउस में गौमाता की पूजा कर खिलाई खिचड़ी

राजनांदगांव, 11 नवंबर। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने गोवर्धन पूजा पर्व के पावन अवसर पर कन्हारपुरी के कांजी हाउस में विधि-विधान से गोवंश की पूजा-अर्चना कर गौमाता को खिचड़ी खिलाई। साथ ही शहर के मंदिरो में दर्शन कर भरकापारा स्थित प्राचीन मोतीनाथ मंदिर एवं महावीर चैक स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली बनी रहने की कामना करते हुए दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होने मंदिरों में अन्नकुट प्रसादी वितरण किया। गौमाता पूजा के दौरान निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम, पुनर्वास तथा नियोजन विभाग के प्रभारी सदस्य श्री डिलेश्वर साहू, पार्षदगण श्रीमती मोहनी युवराज भारती,श्रीमती रीना ओमप्रकाश सिन्हा एवं श्रीमती चन्द्रिका हिंसाराम साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस पावन अवसर पर महापौर श्री यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा छत्तीसगढ का सबसे बड़ा पारंपरिक त्योहार है। आज के दिन गौमाता की पूजा का बहुत महत्व है, गौमाता की सेवा और संरक्षण हमारी धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का भी अभिन्न अंग है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, पशुधन और अन्न के महत्व को समझने तथा उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने की प्रेरणा देती है। मंदिरो में पूजा अर्चना के दौरान दीपावली पर्व की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि शहर के लगभग सभी मंदिरो में आज अन्नकुट का भोग लगाकर प्रसादी वितरण किया जाता है। जिससे शहर में एक अलग ही धार्मिक भावना देखने को मिलती है।आयुक्त श्री मरकाम ने दीपावली की शुभकामनाए देते हुए कहा कि कन्हापुरी काजी हाउस में हर साल उत्साह के साथ गोवर्धन पूजा पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि कांजी हाउस का जीर्णोद्धार कर उसे मूर्तरूप दिया जायेगा। इसके अलावा निगम द्वारा संचालित सभी काजी हाउसो में गौमाताओ के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था का संचालन रूचारू रूप से करने का प्रयास रहता है।

छठ पर्व एवं मोहारा मेला की तैयारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 11 नवम्बर। छठ पर्व एवं मोहारा मेला को ध्यान में रखते हुये महापौर श्री मधुसूदन यादव व निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने शहर में साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त करने, के साथ साथ मोती तालाब व चिखली तालाब के अलावा अन्य तालाबों के आस पास साफ सफाई करने, दवा का छिडकाव करने, विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये। वही मोहारा मेला स्थल निरीक्षण के दौरान महापौर ने मेला स्थल में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री आलोक श्रोती, पार्षद श्री चन्द्रकृत साहू उपस्थित थे।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छठ पर्व के अवसर पर मोती तालाब एवं चिखली तालाब में तीन दिनो तक पूजा कर त्योहार मनाया जावेगा। छठ पर्व के पूर्व दोनो तालाबो में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने महापौर श्री यादव एवं आयुक्त श्री मरकाम ने आज मोती तालाब का निरीक्षण किया। महापौर श्री यादव ने स्वास्थ्य एवं तकनीकि अधिकारी से कहा कि तालाब के किनारे सम्पूर्ण घाट की साफ सफाई करे, किनारे लगे कटिली झाडिया काट डस्टबिन रखे एवं दवाई का छिडकाव कर चुना लाईन डाले। उन्होंने आस पास पर्याप्त विद्युत व्यवस्था करने के अलावा तालाब मार्ग को दुरूस्त करने



कहा। साथ ही तालाब में किनारे पूजन सामाग्री विसर्जित करने जाली लगावे ताकि तालाब में फूल पान न फैले। आयुक्त ने कहा कि सभी कर्मचारी त्योहार तक नियमित रूप से मोती तालाब एवं चिखली तालाब के किनारे सफाई करना सुनिश्चित करेगे। तालाब के पास लगे लाईटे भी प्रतिदिन जले इसका भी विशेष ध्यान रख जाए। इसके अलावा त्योहार में शहर में भी साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण की कडी में मोहारा मेला स्थल का भी जायजा लिया गया। इस अवसर पर महापौर श्री यादव ने मेला स्थल में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदी किनारे पचरी का गाद निकाल सफाई करे, साथ ही सम्पूर्ण मेला स्थल की सफाई कर कटीली झाडिया काट मैदान समतल करने निर्देशित किए। इसी प्रकार नदी के मोहारा एंव हल्दी घाट की सफाई कर पुन्नी स्नान के दौरान महिलाओ के लिए अस्थाई चेजिंग रूम बनाने कहा। उन्होंने शौचालय की आवश्यक मरम्मत कर साफ सफाई करने तथा विद्युत व पेयजल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा।आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि पानी, बिजली, सफाई की समुचित व्यवस्था करने के साथ साथ मेला स्थल में नदी की ओर आवश्यक सुरक्षात्मक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा दुकान लगाने वालो के लिए पसरा लगाने ले आउट प्लान करे, जिससे सभी पसरा व्यवस्थित तरीके से लग सके। सुगम आवागमन के साथ साथ आपातकालीन वाहन के आने जाने में परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता (संविदा) श्री यू.के.रामटेके, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा, प्र.उप अभियंता श्री चिरांग मेश्राम, स्वच्छता निरीक्षक श्री दीपक श्रीवास्तव, सह उद्यान प्रभारी श्री दिलीप गिरी आदि उपस्थित थे।

गौसेवा के लिए समर्पित रहीं पीला बाई चंद्राकर भाजपा परिवार ने गृहग्राम पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रोहित चंद्राकर की पूज्य माताजी श्रीमती पीला बाई चंद्राकर ;83 वर्षद्ध के निधन का समाचार प्राप्त होते ही भाजपा परिवार में शोक की लहर व्याप्त हो गई। शोक संवेदना व्यक्त करने भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उनके गृहग्राम भर्रेगांव पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।स्वर्गीय पीला बाई चंद्राकर अपने जीवन में गौसेवा के प्रति विशेष समर्पण और सेवाभाव के लिए जानी जाती थीं। उनका सरलए सेवाभावी एवं धार्मिक व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। वे अपने पीछे चार पुत्रों शिशुपालए विष्णुए स्वर्गीय देवेंद्र एवं रोहित चंद्राकर सहित भरा.पूरा परिवार छोड़ गई हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉण् रमन सिंह एवं पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने भी दूरभाष के माध्यम से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान किया।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूतए महापौर मधुसूदन यादव सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भर्रेगांव पहुंचकर स्वर्गीय पीला बाई चंद्राकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।भाजपा परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल चंद्राकर परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बंगाली समाज ने पहाड़ी पर स्थित कालीबाड़ी मंदिर में विभिन्न अनुष्ठानों के साथ की मां काली की पूजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 11 नवंबर। राजहरा कालीबाड़ी के सचिव मदन माइती ने बताया कि राजहरा कालीबाड़ी की स्थापना स्वामी आत्मानंद रामकृष्ण मिशन रायपुर के कर कमरों के द्वारा 24 जून 1972 ईस्वी को संपन्न हुआ द्य उस समय विश्वनाथ आईच एवं डी एन राय व्यवस्थापक थे द्य साथ ही लगभग 34 व्यक्ति कालीबाड़ी की व्यवस्था में अपनी भागीदारी निभाई द्य जिसमें विश्वनाथ आईच ,गगन परेरा आज हमारे बीच उपस्थित है । राजहरा बंगाली समाज के द्वारा अमावस्या और पूर्णिमा को कालीबाड़ी स्थित मां काली के मन्दिर में विशेष पूजा की जाती है द्य खासकर दीपावली की रात्रि को मां काली की रात्रि माना जाता है द्य इस रात्रि पूरे बंगाल में मां काली की पूजा की जाती है द्य

दल्ली राजहरा के बंगाली समाज के परिवार कालीबाड़ी में एकत्र होते हैं और पूरे विधि विधान के साथ मां काली की पूजा की जाती है द्य काली पूजा के लिए समाज के सभी लोग काली बाड़ी में एकत्र हुए अध्यक्ष काली बाड़ी सूकांतो मंडल सचिव मदन माइती कंनक बैनर्जी गौतम बेरा समाज के वरिष्ठ विश्वनाथ आईच, एस के राय, पी के डे, एस सी सरकार, चंदशेखर मंडल, अशोक साहा,अशोक आईच, और पुजा सचिव मिठू कारफा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां काली की पूजा अर्चना का शुभारंभ किया गया । उसके बाद 108 दीपो के साथ विधिवत रूप में मां काली की आरती की गई । रात्रि लगभग 9:30 बजे से 3:00 बजे तक कालरात्रि की विशेष पूजा संपन्न हुई । इस पूजा में पूजा सेक्रेटरी श्रीमती



मिठू कारफा यजमान के रूप में बैठे थे। पूजा समाप्त होने के बाद सभी उपवास धारीयो के द्वारा अंजलि कर उपवास तोड़ा तब पूजा समाप्त हुआ द्य समाज के सभी लोग मां काली से अपने परिवार की सुख समृद्धि के साथ शहर के भी शांति और खुशहाली की दुआएं मांगी गईबंग समाज के अशोक आईच एवं सजल राय देवोलीना भट्टाचार्य और टीम के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई।

मदन माइती ने बताया कि दीपावली की रात्रि में काली पूजा मनाने का पीछे कई कारण और कथाएं हैं द्य मां काली शक्ति और संरक्षण का प्रतीक है दीपावली की रात्रि उनकी पूजा करने से घर में सुख समृद्धि और शांति आती है द्य मां काली ने असुरों का विनाश किया था इसलिए इस रात्रि में पूजा करके बुराई पर अच्छाई का जीत भी माना जाता है द्य इस दिन मां की पूजा करने से घर मे समृद्धि आती है द्य बंगाल में काली पूजा को पारंपरिक त्योहार माना जाता है द्यमां काली की पूजा करने के पीछे एक पौराणिक कथा है इस कथा के अनुसार शुंभ निशुंभ और चंड मुंड नामक राक्षस का अत्याचार बढ़ गया था द्य इसके बाद राक्षसों ने इंद्रलोक पर कब्जा करने के लिए देवताओं से युद्ध शुरू कर दिया द्य तब सभी देवताओं ने भगवान शिव के पास पहुंचे और उन दैत्यों से छुटकारा पाने के लिए प्रार्थना किया द्य तब भगवान शिव ने मां पार्वती का स्वरूप अंबा को प्रकट किया और अंबा ने मां काली का रूप धारण कर दैत्यों का सर्वनाश करना प्रारंभ कर दिया । इसके बाद अति शक्तिशाली रक्तबीज वहां पर आ पहुंचे रक्तबीज एक ऐसा राक्षस था जिसके खून की एक बूंद जमीन पर पढ़ने से ही नया राक्षस पैदा हो जाता था द्य उसके विनाश के लिए मां काली ने अपने खड़ग से उनका सिर कांटा तथा उनके रक्त जमीन पर ना पड़े इसलिए मां काली ने अपना जीभ बाहर निकालकर उनके रक्त पान किया द्य जिससे नए रक्त बीज उत्पन्न नहीं हो सका द्य रक्तबीज के वध करने के बाद भी मां काली का क्रोध शांत नहीं हुआ द्य संहार के मुद्रा में रही भगवान शिव को जब मां काली के इस रूप का आभास हुआ तो चुपचाप उनके चलने वाली रास्ते पर जाकर लेट गए द्य मां काली का पैर जब भगवान शिव के सीने पर पड़ा तब वहां चौक गई कि यह तो भगवान शिव है और उनका क्रोध तत्काल शांत हुआ द्य तब पूरे संसार को उन्होंने आशीर्वाद दिया इसलिए कार्तिक मास के अमावस्या को मां काली की पूजा की जाती है पूजा कार्यक्रम समाप्त होते ही सभी को प्रसाद वितरण किया गया द्य कालीबाड़ी मंदिर के अध्यक्ष सुकांतो मंडल ने सभी समाज के सभी लोगों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बड़ों के साथ बच्चों को भी मंदिर में आने के लिए प्रेरित करें द्य ताकि वह भी अपने संस्कृति से जुड़े रह सकेद्यकालीबाड़ी पूजा में सजल राय ,पुरोभी वर्मा ,रिना पडिंया अशोक शाहा, अशोक आईच, आदिती आईच , गौतम बोस, जयंती बोस , दीपा माइती, गौतम माइती , मिंटू सिन्हा, मुनमुन सिन्

राधेश्याम फ्यूल्स
लिंक रोड, जनपद ऑफिस के सामने, भाटापारा
मो. 9300435666
इंडियनऑयल
Indian Oil
दीपक शुक्ला
एसी बस उपलब्ध
सुदीप शुक्ला
राधेश्याम बस सर्विस
राधेश्याम फ्यूल्स
सिटी Plex सिनेमा

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रदेश के सभी स्कूलों में होंगे विविध कार्यक्रम

रायपुर, 11 नवंबर.छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती प्रतिवर्ष 15 नवंबर को मनाई जाती है। इस वर्ष 15 नवंबर 2026 को रविवार होने के कारण प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय, अनुदान प्राप्त विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 14 नवंबर अथवा 16 नवंबर 2026 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, संघर्ष और आदर्शों से परिचित कराया जाएगा।विद्यालयों में 14 अथवा 16 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों पर आधारित लेखन एवं वाचन और वाद-विवाद की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी विद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्थागत प्रमुखों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित होने वाली इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के महान जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान से परिचित कराना तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पोहा, मुरमुरा निर्माता कल्याण समिति भाटापारा की ओर से....
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
रंजीत दावानी
अध्यक्ष- पोहा मिल संघ भाटापारा
सम्माननीय सदस्यगण
विनीत: पोहा, मुरमुरा निर्माता कल्याण समिति, भाटापारा

राईस मिल एसोसिएशन भाटापारा
की ओर से दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
गोपाल अग्रवाल
अध्यक्ष
राईस मिल एसोसिएशन, भाटापारा
सूरज थारानी
सचिव
राईस मिल एसोसिएशन

JALIAWALA GROUP
SIGNATURE
SORTEX CLEAR TOOR DALL
ALL IS WELL
PREMIUM QUALITY SORTEX
CLEAR TOOR DALL
MAHAK FUELS
Mo.: 98271-91400 96302-66000
A-One Dharam Kata
100 टन केपीसीटी का डिजिटल कांटा
Sidhi Road, BHATAPARA - 493118
Dist.-Balodabazar-Bhatapara (C.G.)
MAHAK INDUSTRIES
AVON POHA UDYOG
ARSHI DALL MILL
MAHAK INDUSTRIES
KOHINOOR INDUSTRIES
MO.: 98271-67516, 88152-78692

दालमिल एसोसिएशन
भाटापारा की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को
दीपावली, गावेर्धन पूजा, एवं गुरूनानक जयंती
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
संबंधों की चौखट पर एक दिया हमारी तरफ से भी...
श्री नरेश आर्य जी
अध्यक्ष
दालमिल एसोसिएशन भाटापारा
विनीत : दाल मिल एसोसिएशन परिवार भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

समस्त प्रदेशवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
थोक किराना व्यापारी संघ, भाटापारा
श्री ठारूमल जी माखीजा
अध्यक्ष
नीरज मंधान
उपाध्यक्ष
प्रताप ठाकुर
सचिव
कमल शोभवानी
कोषाध्यक्ष

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26